

असाधारण

#### **EXTRAORDINARY**

भाग I—खण्ड 1 PART I—Section 1

# प्राधिकार से प्रकाशित

#### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 207] No. 207] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 30, 2016/आषाढ़ 9, 1938 NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 30, 2016/ASADHA 9, 1938

### वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

## (पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 2016

विषयः चीन जन गण के मूल की अथवा वहां से निर्यातित "पीवीसी फ्लेक्स फिल्म" के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के संबंध में निर्णायक समीक्षा (एसएसआर) जांच।

# <u>पृष्ठभूमि</u>

- फा. सं. 15/13/2015-डीजीएडी:- यतः प्राधिकारी ने प्रारंभ में दिनांक 1 फरवरी, 2010 को चीन जन गण के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के पाटन के संबंध में जांच शुरू की थी। प्राधिकारी ने दिनांक 22 जून, 2010 की अधिसचूना संख्या 14/4/2010-डीजीएडी के तहत अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी और वित्त मंत्रालय ने दिनांक 30 जुलाई, 2010 की अधिसूचना संख्या 79/2010-सीमा शुल्क के तहत संबद्ध वस्तुओं पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया था। तदोपरांत निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 29 जुलाई, 2011 की अधिसूचना संख्या 14/4/2010-डीजीएडी के तहत निश्चयात्मक शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। वित्त मंत्रालय ने दिनांक 25 अगस्त, 2011 की अधिसूचना संख्या 82/2011 के तहत चीन जन गण के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया था।
- 2. और यतः मैसर्स पायनियर पोलीलैदर्स लि. और मैसर्स एसआरएफ लि. (इसके पश्चात से इसे "याचिकाकर्ता" कहा जाएगा) ने प्राधिकारी से संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के आयातों पर दिनांक 25 अगस्त, 2011 की अधिसूचना 82/2011 के तहत वित्त मंत्रालय द्वारा पूर्व में लगाए गए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा करने का अनुरोध करते हुए एक सप्रमाण याचिका के साथ अनुरोध किया और इस आधार पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने

3277 GI/2016 (1)

की मांग की कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त होने से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

- 3. इस बात से संतुष्ट होते हुए कि याचिकाकर्ता ने समीक्षा की जरूरत पर बल दिया है, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 27 जुलाई, 2015 की अधिसूचना संख्या 15/13/2015-डीजीएडी के तहत निर्णायक समीक्षा आरंभ करना उपयुक्त समझा। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की वैधता की अविध को केंद्र सरकार द्वारा 18 अगस्त, 2015 की अधिसूचना संख्या 43/2015-सीमा शुल्क (एडीडी) के तहत 29 जुलाई, 2016 तक बढ़ाया गया था।
- 4. वर्तमान समीक्षा के दायरे में संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पूर्व जांचों के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।

#### क. क्रियाविधि

- 5. इस जांच के संबंध में निम्नलिखित क्रियाविधि को प्रयोग में लाया गया है:
  - क. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले आवेदन पत्र प्राप्त होने के संबंध में भारत में चीन के दूतावास को अधिसूचित किया है।
  - ख. प्राधिकारी ने निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करने के संबंध में दिनांक 27 जुलाई, 2015 को एक सार्वजनिक सूचना संख्या 15/13/2015-डीजीएडी जारी की थी, जो भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी।
  - ग. प्राधिकारी ने संबद्ध देश में सभी ज्ञात उत्पादकों और/अथवा निर्यातकों तथा अन्य घरेलू उत्पादकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें संगत सूचना प्रदान करने तथा नियम 6(2) के अनुसार पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचार प्रकट करने का अवसर प्रदान किया।
  - घ. प्राधिकारी ने ज्ञात आयातकों और/अथवा भारत में संबद्ध वस्तुओं के ग्राहकों को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें संगत सूचना प्रदान करने तथा नियम 6(2) के अनुसार पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचार प्रकट करने की सलाह दी।
  - ङ. प्राधिकारी ने ज्ञात उत्पादकों और/अथवा निर्यातकों तथा संबद्ध देश के दूतावास को उपरोक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियां प्रदान कीं। अगोपनीय अंश की एक प्रति अन्य इच्छुक पक्षकारों को भी उनके अनुरोध पर उपलब्ध कराई गई।
  - च. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के दूतावास और ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को संगत सूचना प्रकट करने के लिए एक प्रश्नावली भेजी।
    - i. मैसर्स झेजियांग एमएसडी वार्प निटिंग एंड कोटिंग कं. लि.
    - ii. मैसर्स संघाई लंक्वान प्लास्टिक प्रोडक्ट्स कं. लि.
    - iii. मैसर्स झेजियांग मिंगलोंग होल्डिंग लि.
    - iv. मैसर्स झेजियांग तियानजिंग टैक्नीकल टेक्सटाइल्स कं. लि.
    - v. मैसर्स हैनिंग गंगलोंग निटिंग क्लॉथ्स कं. लि.
    - vi. मैसर्स हंगझोउ होंगजे न्यू मैटेरियल कं. लि.
    - vii. मैसर्स जुलोंग टेंट एंड एडवर्टाइजमेंट मैटेरियल्स इंडस्ट्रियल कं. लि.
    - viii. मैसर्स शंघाई अवरसाइन इंडस्ट्रियल कं. लि.
    - ix. मैसर्स झेजियांग चेंगबांग न्यू मैटेरियल्स कं. लि.
    - x. मैसर्स हेबई होंगडिंग प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग कं. लि.
    - xi. मैसर्स सिक्सी लिन्युन प्लास्टिक वार्ट कं. लि.

- xii. मैसर्स झेजियांग युली प्लास्टिक कं. लि.
- xiii. मैसर्स जियांगजिन ननवी प्लास्टिक्स कं. लि.
- xiv. मैसर्स हेटेक्स टैक्नीकल टेक्सटाइल्स (झंगजियागांग) कं. लि.
- xv. मैसर्स झेजियांग बोटाई प्लास्टिक कं. लि.
- xvi. मैसर्स झेजियांग तियांचंग प्लास्टिक फैब्रिक कं. लि.
- xvii. मैसर्स झेजियांग गंगलोंग न्यू मैटेरियल कं. लि.
- xviii. मैसर्स संघाई नार इंडस्ट्रियल कं. लि.
- xix. मैसर्स झेजियांग हैलीडे न्यू मैटेरियल कं. लि.
- xx. मैसर्स संघाई इंफ्लेक्स सिग्नेज कं. लि.
- xxi. मैसर्स झेजियांग मिंगलोंग प्लास्टिक सीमेंट कं. लि.
- xxii. मैसर्स हबी युक्सिन इंडस्ट्री एंड ट्रेड कं. लि.
- xxiii. मैसर्स जियांगजिन ननवेई इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि.
- xxiv. मैसर्स गंगझोउ होंगिक्सन इकोनॉमिक डेवलेपमेंट कं. लि.
- ज. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना प्रदान करने के लिए ज्ञात आयातकों अथवा प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी।
  - i. ग्राफिक्स एड्स प्रिंट सेल्स कंपनी
  - ii. इसाइज इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजीस प्रा. लि.
  - iii. शुभ प्लास्टिक्स
  - iv. आदित्य इंटरनेशनल
  - v. रेशनल बिजनेस कारपोरेशन प्रा. लि.
  - vi. रेवेल कोम्पू कं. प्रा. लि.
  - vii. टावर ओवरसीज लि.
  - viii. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स प्रा. लिमिटेड
  - ix. गोल्डस्टोन इमेजिंग प्रा. लि.
  - x. कुमार डिस्ट्रिब्यूटर्स
  - xi. टेक-जोन ग्लोबल ट्रेडिंग कं.
  - xii. कृष्णा तरपॉलिन इंडस्ट्रीज
  - xiii. मैक्स फ्लेक्स एंड इमेजिंग सिस्टम्स प्रा. लि.
  - xiv. 3एम इंडिया लिमिटेड आर एंड डी सेंटर
  - xv. अवेरी डेनिसन (इंडिया) प्रा. लि.

- झ. किसी भी आयातक ने प्रश्नावली का उत्तर दाखिल नहीं किया है।
- ञ. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) प्रश्नावली चीन जन गण के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और भारत में चीन जन गण के दूतावास के इस अनुरोध के साथ भेजी गई थी कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्राधिकारी को संबद्ध सूचना प्रस्तुत कर दें।
- ट. चीन जन गण से हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (झांगजियागेंग) कं. लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली का उत्तर दाखिल किया है, जिसमें चीन को मिले गैर-बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का खंडन किया है।
- ठ. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से यह अनुरोध किया गया था कि वे जांच के अविध सिहत विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों का ब्यौरा प्रदान करे, जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गया। था। घरेलू उद्योग ने आईबीआईएस द्वारा (द्वितीयक स्रोत) के आधार पर आयातों के संबंध में सूचना प्रदान की है, जो इस तथ्य के संबंध में हो सकती है कि विचाराधीन उत्पाद विभिन्न विविध और असंगत एचएस कोड के तहत आयातित किया जा रहा है, जिसे आयात संबंधी आंकड़ों में प्राप्त नहीं किया जा सका। अतः प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा और मूल्य की गणना करने तथा क्षति विश्लेषण करने के लिए सौदे-वार आईबीआईएस आयात संबंधी आंकड़ों पर निर्भर रहना पड़ा है।
- इ. सामान्यतः स्वीकृति लेखांकन सिद्धांत (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना को आधार मानकर भारत मे संबद्ध वस्तुओं का निर्माण करने और बिक्री करने की लागत और अनुकूलतम उत्पादन की लागत निकाली गई थी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या घरेलू पाटन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षिति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के तहत विनिर्दिष्ट सिद्धांतों के अनुसार एनआईपी का निर्धारण किया गया है।
- ढ. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि अप्रैल, 2014 से मार्च, 2015 तक (12 माह) की है। तथापि, क्षति विश्लेषण में अप्रैल, 2011 से मार्च, 2012 अप्रैल, 2012 से मार्च, 2013, अप्रैल, 2013 से मार्च, 2014 और जांच की अवधि को शामिल किया गया है।
- ण. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 22 दिसंबर, 2015 को हुई एक जन सुनवाई मे मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए थे, उन्हें मौखिक रूप से व्यक्त अपने विचारों को लिखित अनुरोध के साथ प्रस्तुत करने और उसके बाद पुनर्याचिका अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध किया गया था।
- त. दिए गए तर्कों और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच के दौरान प्रस्तुत सूचना/साक्ष्य को, वर्तमान जांच के संबंध में जितना आवश्यक समझा गया, प्राधिकारी द्वारा समुचित रूप से विचार किया गया है।
- थ. घरेलू उद्योग और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और आंकड़ों के संबंध में आवश्यकता के अनुसार सत्यापन किया गया।
- द. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता दावे की पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई थी। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर आवश्यकता के अनुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है तथा अन्य पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं संभव है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दाखिल सूचना का पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रदान करने का निदेश दिया था।
- ध. जब भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने इसे सुलभ करने से इंकार किया है अथवा अन्यथा आवश्यक सूचना वर्तमान जांच के दौरान प्रदान नहीं की है अथवा जांच में अवरोध पैदा किया है, तो प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणामों को दर्ज किया है।
- न. प्राधिकारी ने प्रदान की गई सूचना की सटीकता के संबंध मे स्वयं को संतुष्ट किया है, जिनके तहत जांच की अविध के दौरान ये जांच परिणाम आधारित हैं। प्राधिकारी ने जहां तक संगत और आवश्यक समझा, घरेलू उद्योग के परिसरों का स्थल पर जाकर सत्यापन किया है।
- प. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के तहत घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य का एक सार्वजनिक फाइल के माध्यम से अगोपनीय अंश उपलब्ध कराया, जिसे प्राधिकारी द्वारा अनुरक्षित किया गया था और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए रखा गया था।

- फ. दिनांक 19.04.2016 को एक प्रकटीकरण विवरण जारी किया गया था, जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचाराधीन आवश्यक तथ्य शामिल थे, जो इस अंतिम जांच परिणाम के लिए आधार बने। प्रकटीकरण विवरण पर टिप्पणियां, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने के लिए दिनांक 26.04.2016 तक का समय प्रदान किया गया था। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटीकरण पश्चात की टिप्पणियों पर समुचित विचार किया है।
- ब. \*\*\* गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत सूचना को दर्शाता है और उस पर प्राधिकारी द्वारा नियमों के तहत मेरिट आधार पर विचार किया गया है।
- भ. जांच की अवधि के दौरान प्रचलित 1 यूएस डॉलर = 61.69 रुपए की औसतन विनिमय दर को इस जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा अपनाया गया है।

## ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु का क्षेत्र

- 6. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद पीवीसी फ्लेक्स फिल्म है, जिसे पीवीसी फ्लेक्स बैनर और पीवीसी फ्लेक्स शीट के नाम से भी जाना जाता है, जो साइनेज, बिल बोर्ड, पीवीसी फिल्म और तारपोलीन इत्यादि (एतद्पश्चात इसे संबद्ध वस्तुएं कहा जाएगा) के विज्ञापन के लिए हैं। फ्लेक्स एक पोलिलिन की शीट होती है, जिसका व्यापक रूप से आउटडोर होर्डिंग और बैनर के लिए उच्च क्वालिटी के डिजिटल प्रिंट के लिए उपयोग किया जाता है, जिसकी मुख्य रूप से सीएमवाईके मोड में बड़े कलर प्लोटर से छपाई की जाती है। डिजिटल छपाई की प्रौद्योगिकी में भारी वृद्धि के कारण डिजिटल इंकजेट प्रिंटिंग की लागत में भारी कमी आई है, जिसके लिए यह तथ्य शामिल है कि इन डिजिटल प्रिंटरों की पूंजीगत लागत में कई गुना कमी आई है। इससे उत्पाद में इसकी कम लागत और टिकाउपन के लिए समग्र विजुअल विज्ञापन उद्योग में 100% बाजार अंश हो गया है।
- 7. यह उत्पाद मूल रूप से एक बहु-स्तरित पीवीसी फिल्म है, जिसमें पुनर्वलन वस्त्र (री-इंफोर्समेंट टेक्सटाइल) का सैंडविच लेमिनेशन है। ये फिल्में कैंलेंडर पर बनाई जाती हैं। पीवीसी रेसिन को तौलकर CaCO3 (कैल्शियम कार्बोनेट पाउडर) के साथ ऑटोमेटेड बीचिंग प्रणाली पर बैच बनाए जाते हैं। उसके बाद उसे तौलने से पूर्व की डीओपी मात्रा के साथ मिलाया जाता है और नीडर के साथ मिलाया जाता है। इसके बाद पीवीसी, कैल्शियम कार्बोनेट(CaCO3) और डीओपी की गुँथाई करके बनाए गए गोले को दो अवस्थाओं में रोलर मिक्सर में मिलाया जाता है और किसी भी फालतू कणों और तत्वों को निकालने के लिए छलनी में से छाना जाता है। अंतिम रूप से विस्तारित पेस्ट को कन्वेयर के माध्यम से कैलेंडर पर डाला जाता है और पीवीसी फिल्म तैयार की जाती है, जिसे टेक-अप रोल और वाउंड पर ठंडा किया जाता है। इसके बाद यह वाउंड फिल्म एक लेमिनेशन मशीन पर रि-इंफोर्स फैब्रिक के साथ लेमिनेट की जाती है। यह लेमिनेट किया गया उत्पाद विज्ञापन उद्योग के लिए फ्लेक्स कहा जाता है। लेमिनेशन के बाद फ्लेक्स को काटकर उसका रोल बनाया जाता है।
- 8. फ्लेक्स अपनी गुणवत्ता और गुणों के अनुसार विभिन्न प्रकार के हो सकते हैं, जैसे फ्रंट लिट अथवा बैक लिट और घलोसी अथवा मेटी। इसके अलावा, भारत में फ्रंट लिट की मांग अधिक है।
- 9. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद की पूर्व जांचों में जांच की है और विचाराधीन उत्पाद का दायरा मूल जांच में यथाविनिर्दिष्ट अनुसार ही रहेगा। विचाराधीन उत्पाद को मूल जांच के अंतिम जांच परिणाम में इस प्रकार परिभाषित किया गया थाः

"विचाराधीन उत्पाद 'पीवीसी फ्लेक्स फिल्म' है। पीवीसी फ्लेक्स फिल्मों को पीवीसी फ्लेक्स बैनर, विज्ञापन साइनेज के लिए पीवीसी फ्लेक्स शीट, बिल बोर्ड तथा पीवीसी फ्लेक्स तारपोलीन इत्यादि (एतद्पश्चात इन्हें संबद्ध वस्तुएं कहा गया हैं: के रूप में भी जाना जाता है। तथापि, पीवीसी फिल्में, पीवीसी कठोर फिल्में, कॉटन केनवास तारपोलीन, सेल्फ अडहेंसिव विनाइल, वन-वे विजन फिल्म/परफोरेटेड विंडों फिल्म और मेश बैनर/फैब्रिक विचाराधीन उत्पाद में शामिल नहीं है और इसीलिए इस जांच के क्षेत्राधिकारी से बाहर हैं।

पीवीसी फ्लेक्स फिल्मों को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 39 के तहत टैरिफ शीर्ष 3920 और 3921 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस सामग्री के अनेक अन्य सीमा शुल्क वर्गीकरणों के तहत भी आयातित और मंजूर किया जा रहा है, जिसमें 39201019, 39201012, 39204900, 39219026, 39219029, 39269099, 39199090, 39181090, 39189090, और 39269080 शामिल हैं। तथापि, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान में दायरे के संबंध में किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।"

- 10. चूंकि वर्तमान जांच प्रवृत्त पाटनरोधी शुल्कों की एक निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए प्राधिकारी का यह विचार है कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र मूल जांच के समान ही हो। इसके अलावा, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने समीक्षा के क्षेत्र में संशोधन (कटौती सहित) करने के संबंध में कोई संगत अनुरोध नहीं किया है।
- 11. याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं भौतिक और तकनीकी गुणों, निर्माण प्रक्रियाओं तथा प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्दिशनों, मूल्य, वितरण और विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसे मापदंडों के संदर्भ में आयातित उत्पाद के समान वस्तु है। ये दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से एक-दूसरे की स्थानापन्न हैं। प्राधिकारी ने मूल जांच में पहले ही यह पाया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तु हैं। इस प्रकार से प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तु हैं।

# ग. घरेलू उद्योग और उसका आधार

# उत्पादों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

12. यह अनुरोध किया जाता है कि मूल जांच की तुलना में वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में घरेलू उद्योग की सूचना में काफी परिवर्तन हैं। मूल जांच में संबद्ध वस्तुओं का केवल एक ही उत्पादक था। मूल जांच के बाद भारत में संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों की संख्या वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में बढ़कर 10 उत्पादकों तक पहुँच गई है। यह देखा जा सकता है कि इन 10 उत्पादकों में से केवल दो उत्पादक नामतः मैसर्स पायनियर पोलिलैदर्स लि. और मैसर्स एसआरएफ लि., जिनका कुल घरेलू उत्पादन में करीब 47% हिस्सा है, ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच के लिए याचिका प्रस्तुत की है और प्राधिकारी को क्षति से संबंधित सूचना प्रदान की है। यह देखा जा सकता है कि अन्य घरेलू उत्पादक, जिनका कुल घरेलू उत्पादन में 53% हिस्सा है, ने किसी क्षति से संबंधित सूचना प्रदान नहीं की गई है। यह अनुरोध किया जाता है कि चूंकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि अधिकाधिक संख्या में घरेलू उत्पादकों से वर्तमान क्षति और संभावित क्षति के संबंध में सूचना प्राप्त की जाए। यह देखा जा सकता है कि याचिका में ऐसा कोई विश्लेषण अथवा कारण नहीं है कि अन्य घरेलू उत्पादकों ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में सूचना प्रदान क्यों नहीं की। अन्य घरेलू उत्पादकों से भी सूचना प्राप्त की जानी चाहिए तािक वर्तमान जांच में सार्थक विश्लेषण और न्यायोचित जांच परिणाम मिल सकें।

# घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

- 13. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और उसके आधार के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
  - क. वर्तमान याचिका मैसर्स पायनियर पोलिलैदर्स लि. तथा मैसर्स एसआरएफ लि. द्वारा दाखिल की गई है, जो भारत में विचाराधीन उत्पाद का घरेलू उद्योग है।
  - ख. याचिकाकर्ता के अलावा भारत में पीवीसी फ्लेक्स फिल्म के अन्य ज्ञात उत्पादक हैं, जैसेः
    - i. सनलेक्स फैब्रिक्स प्रा. लि.
    - ii. वरमोरा फ्लेक्स
    - iii. ओरेक्स फ्लेक्स प्रा. लि.
    - iv. स्वरूप फ्लेक्स
    - v. केनिडियन विनाइल
    - vi. खुशबू पीवीसी फ्लेक्स
    - vii. जिंदल स्पेशिलिटी टेक्सटाइल्स लि.
    - viii. नवरत्न स्पेशिलिटी केमिकल्स एलएलपी

- ग. वर्तमान याचिका को निम्नलिखित उत्पादकों का समर्थन प्राप्त है:
  - i. सनलेक्स फैब्रिक्स प्रा. लि.
  - ii. ओरेक्स फ्लेक्स प्रा. लि.
  - iii. केनिडियन विनायल
  - iv. जिंदल स्पेशिलिटी टेक्सटाइल्स लि.
  - v. नवरत्न स्पेशिलिटी केमिकल्स एलएलपी
- घ. याचिकाकर्ताओं का उत्पादन करीब 47.4% है, अतः यह भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल घरेलू उत्पादन का बड़ा हिस्सा है। याचिकाकर्ताओं के साथ-साथ समर्थक उत्पादकों का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का लगभग 98% होता है। किसी भी याचिकाकर्ता ने संबद्ध देश के संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है अथवा भारत में किसी आयातक अथवा संबद्ध देश में किसी निर्यातक से कोई संबंध नहीं है। इस प्रकार से वर्तमान याचिका नियमों के तहत वर्तमान याचिका दाखिल करने की अपेक्षाओं को पुरा करती है और याचिकाकर्ता 'घरेलू उद्योग' है।
- **इ.** वर्तमान याचिका निर्णायक समीक्षा करने के लिए है। चूंकि यह निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए प्राधिकारी को, वर्तमान याचिका दाखिल करने के लिए याचिकाकर्ताओं के आधार को जानने की जरूरत नहीं है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

- 14. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तहत घरेलू उद्योग को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:
  - "(ख) 'घरेलू उद्योग' का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।"
- 15. यह आवेदन मैसर्स पायनियर पोलिलैदर्स लि. और मैसर्स एसआरएफ लि. द्वारा दाखिल किया गया था। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं के अलावा भारत में संबद्ध वस्तुओं के अन्य ज्ञात उत्पादक भी हैं, यथा सनलेक्स फैब्रिक लि., वर्मोरा फ्लेक्स, कुरेक्स फ्लेक्स प्रा. लि., स्वरूप फ्लेक्स, कनेडियन विनाइल, खुशबू पीवीसी फ्लेक्स, जिंदल स्पेशियलिटी लि. और नवरत्न स्पेशियलिटी केमिकल एलएलपी। साथ ही, आवेदक को निम्नलिखित उत्पादकों का समर्थ प्राप्त है, यथा सनलेक्स फैब्रिक्स प्रा. लि., कुरेक्स फ्लेक्स प्रा. लि., कनेडियन विनाइल, जिंदल स्पेशियलिटी टेक्सटाइल्स लि. और नवरत्न स्पेशियलिटी केमिकल एलएलपी। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत आंकड़े यह दर्शाते हैं कि याचिकाकर्ताओं को उत्पादन में पाटनरोधी नियमवली के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल घरेलू उत्पादन का "एक बड़ा हिस्सा" शामिल है। यह नोट किया जाता है कि किसी भी याचिकाकर्ता ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है और न ही वे संबद्ध देश में किसी निर्यातक अथवा भारत में किसी आयातक से संबंधित है। अतः याचिकाकर्ता वर्तमान याचिका दाखिल करने के लिए आधार की अपेक्षा को पूरा करते हैं और नियम 2(ख) तथा उक्त नियमावली के नियम 5 के तात्पर्य से "घरेलू उद्योग" है।

### घ. गोपनीयता के मामले

# उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

- 16. मैसर्स हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (झांजियागेंग) कं. लि., निर्यातक द्वारा गोपनीयता के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
  - क. घरेलू उद्योग ने आवेदन के अगोपनीय अंश में बिना कोई विधिसम्मत कारण बताए निम्नलिखित सूचना को गोपनीय रखा हैः
    - आईबीआईएस से प्राप्त मूल/कच्चे सौदे-वार आयात के आंकड़ों की सॉफ्ट/हार्ड प्रति उपलब्ध नहीं कराई है। न ही इस संबंध में कोई उल्लेख किया गया कि इन्हें प्राधिकारी को प्रस्तुत कर दिया गया है अथवा नहीं।

- ii. घरेलू उद्योग ने सौदे-वार आईबीआईएस आयात आंकड़ों, मूल/कच्चे आयात संबंधी आंकड़ों की एक्सल फाइल में और अप्रैल, 2011 से मार्च, 2012, अप्रैल, 2012 से मार्च, 2013, अप्रैल, 2013 से मार्च, 2014 और अप्रैल, 2014 से मार्च, 2015 तक की अविध के लिए अपवर्जित सौदों की एक सूची सॉफ्ट कॉपी न देकर एक पीडीएफ फाइल उपलब्ध कराई है।
- iii. याचिकाकर्ता कंपनियों के स्टॉक की मात्रा और कर्मचारियों की संख्या भी गोपनीय रखी गई है।
- iv. घरेलू उद्योग ने लाभ का केवल प्रचलित विश्लेषण दिया है और आरओसीई आंकड़ों तथा प्रतिबद्धता को गोपनीय रखा गया है।
- v. सामान्य मूल्य की पूर्व-संख्या गोपनीय रखी गई है और आंकड़े केवल रेंज में दिए गए हैं।
- vi. याचिकाकर्ता कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट को भी गोपनीय होने का दावा किया गया है।

# घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

- 17. घरेलू उद्योग द्वारा विभिन्न अन्य मामलों के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
  - क. आईबीआईएस द्वारा प्रदान किए गए आयात संबंधी आंकड़े अपने आप में संसाधित आंकड़े हैं न कि कच्चे आंकड़े हैं। इसके बावजूद आईबीआईएस से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों की एक प्रति सार्वजनिक फाइल में रखने के लिए अलग से उपलब्ध कराई गई है।
  - ख. प्राधिकारी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत निर्यातकों द्वारा भी सॉफ्ट कॉपी में एक्सल फाइल में सूचना प्रदान की जानी है। तथापि, किसी भी निर्यातक ने सॉफ्ट कॉपी में ऐसी एक्सल फाइल उपलब्ध नहीं कराई है। सॉफ्ट प्रतियां प्राधिकारी के लिए हैं और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इसकी कानूनी अधिकार के रूप में मांग नहीं की जा सकती। हितबद्ध पक्षकारों को आईबीआईएस से आंकड़े प्राप्त करन से कोई भी नहीं रोकता।
  - ग. स्टॉक की मात्रा और कर्मचारियों की संख्या के संबंध में सूचना याचिका में निहित थी।
  - घ. लाभप्रदता और आरओसीई के आंकड़े कारोबार की अत्यधिक संवेदनशील सूचना होती है और इसका घरेलू उद्योग पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और इसीलिए हितबद्ध पक्षकारों को वास्तविक सूचना प्रदान नहीं की जा सकती।
  - इ. सामान्य मूल्य की राशि को जब 1.05 से विभाजित किया जाए तो वह सामान्य मूल्य की गणना में अपनाई गई घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत है। इसके अलावा, चूंकि कच्ची सामग्री की कीमतें तर्कसंगत और सार्वजनिक रूप से ज्ञात हैं, इसलिए एक बार जब उत्पादन की लागत से आंकड़ों की जानकारी हो जाती है तो घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत काफी हद तक ज्ञात हो जाती है।
  - च. एसआरएफ एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है और इसकी वार्षिक रिपोर्ट कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। मैसर्स पायनियर एक सूचीबद्ध कंपनी है और इसीलिए उसकी वार्षिक रिपोर्ट हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की जा सकती।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

- 18. गोपनीयता के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोधों की जांच की गई है और उन्हें इस प्रकार से व्यक्त किया गया है:
  - (1) सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में यह प्रावधान है :- गोपनीय सूचना :
    - (1) नियम 6 के उप नियम (2), (3) एवं (7), नियम 12 के उप नियम (2), नियम 15 के उप नियम (4) तथा नियम 17 के उप नियम (4) में किसी भी बात के होते हुए भी नियम 5 के उप नियम (1) के प्राप्त आवेदनों की प्रतियां या जांच की प्रक्रिया में किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रदत्त कोई अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसकी गोपनीयता के संबंध में संतुष्ट होने पर ऐसी सूचना को गोपनीय माना जाएगा और ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना ऐसी सूचना किसी अन्य पक्षकार के समक्ष प्रकट नहीं की जाएगी।

- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा हितबद्ध पक्षकारों से प्रस्तुत की गई किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किए जाने की अपेक्षा की जाएगी और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकार के विचार से ऐसी सूचना का सारांश तैयार करना संभव न हो तो उसका कारण बताते हुए एक विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा।
- (3) उप नियम (2) की किसी बात के होते हुए भी यदि प्राधिकारी को यह विश्वास है कि गोपनीयता का अनुरोध उचित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने या उसे सामान्यीकृत अथवा सारांश रूप में प्रकट करने का प्राधिकार देने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की उपेक्षा कर सकते हैं।
- (2) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता दावे की पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई थी। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर आवश्यकता के अनुसार गोपनीयता के दावों की स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है तथा अन्य पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं संभव है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दाखिल सूचना का पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रदान करने का निदेश दिया था। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय अंश को सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया है।
- (3) इस संबंध में कि आईबीआईएस से प्राप्त मूल/कच्चे सौदे-वार आयात संबंधी आंकड़ों की सॉफ्ट/हार्ड कॉपी प्रदान नहीं की गई है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उस बात को उठाए जाने के बाद हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक फाइल में उन्हें बाद में रख दिया है।
- (4) आवेदन के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले आईबीआईएस द्वारा तैयार आयात के सौदा-वार आंकड़ों को एक्सल फाइल में सॉफ्ट कॉपी में प्रस्तुत करने के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सौदे-वार आईबीआईएस आंकड़ों, की एक्सल फाइल उपलब्ध कराने के लिए कोई कानूनी अनिवार्यता नहीं है।
- (5) जहां तक कुछेक क्षति मापदंडों को प्रकट न करने संबंधी अनुरोध का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इनकी गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी और संतुष्ट हो जाने के बाद ही प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है। घरेलू उद्योग ने क्षति मापदंडों की सूचीबद्ध सूचना प्रदान की थी, जो वास्तविक आधार पर प्रकट नहीं जा सकी।
- (6) जहां तक वार्षिक रिपोर्ट के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह याचिका दो कंपनियों मैसर्स एसआरएफ और मैसर्स पायनियर के आधार पर है और घरेलू उद्योग की घोषणा के अनुसार, इन दो कंपनियों में से एसआरएफ एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है और इसकी वार्षिक रिपोर्ट कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है और इसीलिए आसानी से सुलभ है। जहां तक मैसर्स पायनियर का संबंध है, यह एक सूचीबद्ध कंपनी नहीं है और इसीलिए इसकी वार्षिक रिपोर्ट हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की जा सकती।

# ङ. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार, सामान्य मूल, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

# बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार और सामान्य मूल्य

# उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

- 19. मैसर्स हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स कं. लि. ने निम्नलिखित अनुरोध किया है:
  - क. घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में यह कहा है कि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 7 में यथाविनिर्दिष्ट किसी पद्धित के आधार पर किया जाना है। तथापि, घरेलू उद्योग ने पैरा 7 में विनिर्दिष्ट अनिवार्य प्रक्रिया का पालन किए बिना घरेलू लागत के आधार पर चीन के निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है और प्राधिकारी के सुलभ संदर्भ के लिए पैरा 7 को नीचे पुनः उद्धृत किया गया है:
    - "7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी

अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धित द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयनुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हो, समयसीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।"

- ख. उपरोक्त पैरा से यह स्पष्ट है कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। के तहत, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाई जाने वाली पद्धित की क्रमबद्धता विनिर्दिष्ट की गई है। माननीय उच्चतम न्यायालय ने शेनयांग मत्सुशिता 2005 (181) ईएलटी (एससी) मामले में भी यह पाया है कि अनुबंध-। के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए दूसरे तरीके अथवा अगले विकल्प को अपनाने से पूर्व पहले तरीके को पूरा तरह में लाया जाए।
- ग. वर्तमान मामले में चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश प्रस्तावित है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 7 के तहत विनिर्दिष्ट अनिवार्य क्रियाविधि का अनुसरण करना जरूरी है। इस पैरा के प्रावधानों के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए सबसे पहले बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की पहचान करनी अपेक्षित है और केवल जबिक ऐसे देश से आवश्यक आंकड़े प्राप्त करना संभव न हो, तो ही किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर, जिसमें तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए आवश्यकता के अनुसार समायोजन करके समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत सहित किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाना आवश्यक है। यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग के लिए यह बाध्यता है कि वह बिना कोई विलंब किए बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन करने के संबंध में सूचित करे तािक संबंधित पक्षकारों को इसका उत्तर देने का अवसर मिल सके। तथािप, वर्तमान प्रावधान का पालन नहीं किया गया है, क्योंकि हितबद्ध पक्षकारों को न तो तीसरे देश के चयन के बारे में कोई सूचना प्रदान की गई और न ही हितबद्ध पक्षकारों से बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के बारे में कोई सुझाव देने का अनुरोध किया तथा न ही आवश्यक सूचना उपलब्ध कराई। अतः माननीय प्राधिकारी से यह अनुरोध करना चाहते हैं कि कृपया मामले में आगे बढ़ने से पूर्व अनुबंध-। के पैरा 7 में विनिर्दिष्ट अनिवार्य क्रियाविधि का पालन करे।

# घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

- 20. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
  - क. चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए और चीन के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 7 के अनुसार किया जाए।
  - ख. याचिकाकर्ता संबद्ध देशों के घरेलू बाजार में कीमत का कोई साक्ष्य प्रदान करने में विफल रहा है। इसे देखते हुए ही संबद्ध देशों से भी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण किया गया है।
  - ग. हितबद्ध पक्षकारों के पास एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का सुझाव देने के लिए पर्याप्त अवसर हैं। याचिकाकर्ताओं ने भारत से एक उपयुक्त प्रतिनिधि देश के रूप में विचार करने का अनुरोध किया है। एकमात्र प्राधिकारी निर्यातक ने पहले मूल जांच में भाग लिया था और उसने बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में भी दावा किया था। तथापि, प्राधिकारी ने उस दावे को अस्वीकार कर दिया था।
  - घ. विचाराधीन उत्पाद के लिए प्रमुख कच्ची सामग्री पीवीसी सस्पेंशन रेसिन और एफडीवाई है और उनके संबंध में पाटनरोधी जांच की गई है, जबिक प्राधिकारी ने प्रतिवादी उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया है, और यदि खरीदी गई कच्ची सामग्री बाजार की कीमत पर होने वाले संबंध में प्रमाणित नहीं की जा सकती, तो उत्पादन-निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया जा सकता। निर्यातक द्वारा खरीदी गई कच्ची सामग्री ऐसी कंपनियों से थी, जो मूल जांच के दौरान प्रतिवादी थी और प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला था कि वे गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के तहत संचालित की जा रही थी। वर्तमान

मामले में निर्यातक द्वारा दाखिल प्रत्युत्तर यह कहता है, "हेटेक्स प्रचलित बाजार दरों पर घरेलू आपूर्तिकर्ताओं में से असंगत आपूर्तिकर्ताओं से कच्चा माल और अन्य निविष्टियों की खरीद करता है।" ऐसे आपूर्तिकर्ताओं के नामों को प्रकट नहीं किया गया है।

### प्राधिकारी द्वारा चीन जन गण के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था दावे की जांच

- 21. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में चीन जन गण को भारत और अन्य विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है, जो पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा व्यक्तिगत निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा इस अवधारणा का खंडन किए जाने के अध्यधीन है।
- 22. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 8 के अनुसार एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा से इंकार किया जा सकता है, यदि चीन जन गण से निर्यातकों/उत्पादक (कों) द्वारा पैरा 8 के उप-पैरा (3) के तहत विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराए जाएं और तथ्यों को प्रमाणित किया जाए। चीन जन गण से संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप-पैरा (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने आवश्यक है ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सके कि क्याः
  - (i) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में चीन जन गण में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;
  - (ii) ऐसे फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरुपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे खाते वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में हैं;
  - (iii) ऐसी फर्म दिवालिया तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है; और
  - (iv) विनिमय दर के परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं।
- 23. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जांच प्रारंभ करने की सूचना जारी करने के परिणामस्वरूप चीन जन गण से मैसर्स हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (सांगजियागेंग) कं. लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली उत्तर सहित प्रश्नावली उत्तर प्रस्तुत किया है और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का खंडन करने की मांग की है।
- 24. यह उल्लेख किया गया है कि मैसर्स हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (सांगजियागेंग) कं. लि. ने मूल जांच में भाग लिया था और प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातक द्वारा किए गए बाजार अर्थव्यवस्था दावों के संबंध में यह पाया किः
  - "65. प्राधिकारी की निम्नलिखित टिप्पणियां हैं:
  - प्राधिकारी के समक्ष दाखिल प्रत्युत्तर के अनुसार, मैसर्स हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (झांगजियागेंग) कं. लि.
    हेटेक्स ब्राक्सेक जीएमबीएच, जर्मनी की एक 100% स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है जो वर्ष 2006 में संस्थापित हुई थी।
  - प्राधिकारी द्वारा आंकड़ों का सत्यापन करने से पूर्व संबद्ध कंपनी द्वारा प्रस्तुत सूचना से प्राधिकारी को यह जानकारी मिली है कि कंपनी ने कुछ कंपनियों नामतः मैसर्स हैनिंग तियांचेंग प्लास्टिक फैब्रिक कं. लि., मैसर्स हेनजिंग डांगलोंग निटिंग क्लॉथ आदि, जो वर्तमान में प्रतिवादी हैं और प्राधिकारी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप मे घोषित की जा चुकी हैं, से भारी मात्रा में मुख्य कच्ची सामग्रियों की खरीद की थी।

- मैसर्स झेजियांग गांगलोंग न्यू मैटेरियल कं. द्वारा दाखिल प्रत्युत्तर में यह कहना है कि मई, 2009 से पूर्व कंपनी को मैसर्स हैंजिंग गांगलोंग के रूप में जाना जाता था। इसके अलावा, मैसर्स झेजियांग मांगलोंग न्यू मैटेरियल कं. लि. के सार्वजनिक डोमेन से यह स्पष्ट है कि यह कंपनी मैसर्स हैंजिंग गांगलोंग निटिंग क्लॉथ कं. लि. के रूप में भी जानी जाती है। संबद्ध कंपनी द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार उन्होंने मैसर्स झेजियांग गांगलोंग न्यू मैटेरियल कं. लि. (मैसर्स हैंजिंग गांगलोंग निटिंग क्लॉथ कं. लि.) से अन्य आपूर्तिकर्ताओं की कीमतों से कम कीमत पर भारी मात्रा में पीवीसी फिल्मों की खरीद की है।
- उन्होंने चीन में हैनिंग तियांचेंग प्लास्टिक फैब्रिक कं. लि. नामक एक कंपनी से भारी मात्रा में पोलिस्टर मेश की भी खरीद की है। यह भी नोट किया जाता है कि यह कंपनी और कोई नहीं बल्कि मैसर्स झेजियांग तियांचेंग प्लास्टिक फैब्रिक कं. लि. ही है, जो वर्तमान जांच में एक प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक है, जिसे प्राधिकारी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया गया है।
  - 66. प्रकटीकरण के उपरांत संबद्ध कंपनी ने यह कहा है कि जिस आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध कंपनी के बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार दावे को अस्वीकार किया है, वह तथ्यात्मक रूप से गलत है और कानूनी तौर पर अपृष्ट है। तथापि, संबद्ध कंपनी ने प्राधिकारी की टिप्पणियों पर विवाद नहीं किया है कि उन्होंने खरीद पर्याप्त मात्रा में की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध कंपनी निष्कर्ष के तौर पर और स्वतंत्र रूप से यह सिद्ध नहीं किया है कि गैर-बाजार स्रोतों से संबद्ध कंपनी द्वारा खरीदी गई कच्ची सामग्री गैर-बाजार ताकतों से प्रभावित नहीं है। उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी मैसर्स हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (सांगजियागेंग) कं लि. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं करते।"
- 25. वर्तमान समीक्षा जांच में, मैसर्स हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (सांगजियागेंग) कं. लि. द्वारा दाखिल किए गए प्रत्युत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए दावे की जांच की गई थी। निर्यातक ने यह अनुरोध किया है कि वे ऐसी एमएनसी हैं, जिनके शेयरधारक जर्मनी से हैं और वे उचित कीमतों पर चीन के असंबद्ध आपूर्तिकर्ताओं से विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण के लिए केवल 2 प्रमुख कच्ची सामग्रियों की खरीद कर रहे हैं। उन्हें यह प्रदर्शित करने के लिए साक्ष्य उपलब्ध कराकर अपने दावे को ठोस बनाने के लिए कहा गया था कि कच्ची सामग्री की खरीद कीमत अंतर्राष्ट्रीय कच्ची सामग्री की कीमतों के सदृश्य हैं। तथापि, प्रतिवादी निर्यातक कोई भी साक्ष्य प्रदान करने में विफल रहा।
- 26. अनुरोध की नियमों में विनिर्दिष्ट प्रावधानों के आलोक में प्राधिकारी द्वारा पूर्व जांच परिणामों में की गई विस्तृत जांच और उपरोक्तानुसार जांच की गई है। इस वर्तमान जांच में भी स्थिति वही रही, इसलिए प्राधिकारी को मूल अंतिम जांच परिणामों से अपने आधार को परिवर्तित करने के लिए किसी नई सूचना की जरूरत नहीं है। उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी ने मैसर्स हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (सांगजियागेंग) कं. लि. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान न करने का निर्णय लिया है।

# चीन से निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मुल्य का निर्धारण

- 27. चूंकि मैसर्स हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (सांगजियागेंग) कं. लि. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया गया है, इसलिए चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 7 में यथानिर्धारित क्रियाविधि के तहत किया जाना जरूरी है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 7 नीचे दिया गया है:
  - "7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा। और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयनुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों. समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी

अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।"

- 28. उपरोक्त प्रावधानों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य निर्धारण किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में घरेलू विक्रय कीमतों अथवा किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में निर्मित मूल्य अथवा ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सिहत किसी अन्य देश को निर्यात कीमतों के आधार पर किया जाना आवश्यक है। तथापि, यदि उपरोक्त विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना नहीं की जा सकती तो निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकता है, जिसमें समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत शामिल है।
- 29. किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संबद्ध वस्तुओं के लिए किसी विश्वसनीय कीमत और लागत संबंधी ब्यौरे के अभाव में, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रमुख निवेशों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और अन्य कच्ची सामग्रियों की वास्तविक कीमतों, सुविधाओं की वास्तविक लागत और सक्षम घरेलू उत्पादक की परिवर्तन लागत तथा साथ ही तर्कसंगत लाभ मार्जिन के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य का निर्माण किया है। तद्नुसार, चीन में सभी निर्यातकों द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में यथाउल्लिखित अनुसार करने का प्रस्ताव किया गया है।

#### निर्यात कीमत

# चीन जन गण से प्रतिवादी उत्पादकों-निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत मैसर्स हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (सांगजियागेंग) कं. लि.

30. मैसर्स हेटेक्स टेक्नीकल टेक्सटाइल्स (सांगजियागेंग) कं. लि. ने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात के सौदों के ब्यौरों की सूचना दी है। निर्यात सीआईएफ/एफओबी/सीएनएफ आधार पर होने का दावा किया गया है। तद्नुसार, फैक्ट्री बाह्य निर्यात कीमत निकालने के लिए माल-भाड़ा और हैंडलिंग प्रभारों, ऋण लागत, समुद्र पर बीमा, बैंक प्रभार जैसे अन्य प्रभारों के संबंध में जहां कहीं लागू हैं, समायोजन किए गए थे। प्राधिकारी ने उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत समायोजनों और नीचे सारणी में यथा उल्लिखित अनुसार समायोजन करने के बाद संबद्ध उत्पादक/निर्यातक के संबंध में निवल निर्यात कीमत (एनईपी) का निर्धारण करने का प्रस्ताव किया है।

# चीन जन गण से असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए निर्यात कीमत

31. असहयोगी/शेष उत्पादकों/निर्यातकों के लिए कारखाना-द्वार निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए, सहयोगी निर्यातक द्वारा किए गए न्यूनतम 15 प्रतिशत के निर्यात सौदे के औसत को सहयोगी निर्यातकों के लिए यथा विचारित समायोजनों के साथ माना गया है। असहयोगी निर्यातकों के लिए कारखाना-द्वार निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का नीचे दी गई तालिका के अनुसार निर्धारित किया गया है।

### <u>पाटन मार्जिन का निर्धारण</u>

32. आंकड़ों का विश्लेषण करने के उपरांत पाटन मार्जिन की गणना नीचे सारणी में किए गए उल्लेख के अनुसार की गई है :

उत्पादक/निर्यातक	साधारण कीमत यूएस\$किग्रा.	निर्यात कीमत यूएस\$किग्रा.	पाटन मार्जिन यूएस\$किग्रा.	पाटन मार्जन %	रेंज
मैसर्स हेटेक्स टैक्नीकल टेक्सटाइल्स (झंगजियागेंग) कं. लि.	***	***	***	***	0-10
सभी अन्य उत्पादक	1.49	0.76	0.73	49	45-55

33. पाटन की मात्रा, जो घरेलू उद्योग को क्षति पंहुचाने की पाटित आयातों की क्षमता की सीमा के संकेतक के रूप में है, दर्शाती है कि संबद्ध देशों के विरूद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक और काफी उच्च हैं।

# ड. **क्षति का मूल्यांकन और कारणात्मक संबंध**

## घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

- 34. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति की संभावना और कारणात्मक संबंध पर निम्नलिखित अनुरोध किया गया है:
  - (i) पाटन की संभावना के लिए संगत कारक क्षति की संभावना और वर्तमान मामले के संबंध में है और इन पर भरोसा किया गया है।
  - (ii) घरेलू बाजार में किया गया निर्यात पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद घरेलू कीमतों पर किया गया है।
  - (iii) संबद्ध देश से उत्पादकों के पास नकारात्मक घरेलू बिक्रियों के साथ पर्याप्त क्षमता है जिससे यह प्रमाणित होता है कि शुल्कों को हटाए जाने के बाद भारत में निर्यातों में तेजी आएगी।
  - (iv) वर्तमान जांच की अवधि में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन दोनों ही सकारात्मक और महत्वपूर्ण हैं।
  - (v) प्रचलित पाटनरोधी शुल्कों के बिना कीमत कटौती सकारात्मक है।
  - (vi) आयात की कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम हैं। अतः उपभोक्ताओं को पाटनरोधी शुल्क समाप्त होने पर आयातित उत्पाद का रूख करना पड़ेगा जिससे उत्पाद के आयातों में काफी वृद्धि होगी।
  - (vii) संबद्ध देश से पाटित आयात भारतीय बंदरगाहों में जारी है, यद्यपि प्रस्तावित जांच की अवधि में यह कम मात्रा में है।
  - (viii) संबद्ध आयात घरेलू कीमतों से कम कीमत पर उपलब्ध हैं। इस प्रकार यदि पाटनरोधी शुल्क को वापस लिया जाता है तो पाटित आयातों की मात्रा में तेजी आएगी।
  - (ix) आयात घरेलू कीमतों को कम कर रहे हैं। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त हो जाने पर बाजार में कीमत ह्रास का सामना करेगा। इससे लाभों में और परिणामस्वरूप शामिल पूंजी पर प्रतिफल और नकद लाभ में गिरावट आएगी।
  - (x) यदि शुल्क वापस लिए जाते हैं और परिणामतः संबद्ध देश से आयातों में वृद्धि होती है तो घरेलू उद्योग को संबद्ध उत्पाद की कीमतों में कमी करने पर बाध्य होना पड़ेगा। इसका तथ्य यह दिया गया है कि संबंधित उत्पाद एक उपयोगी वस्तु उत्पाद है और आयातों की पहुँच कीमत बिक्री की लागत से भी नीचे के स्तर पर है।
  - (xi) यदि घरेलू उद्योग को कीमतें घटाने पर बाध्य होना पड़ा तो घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर इसका वास्तविक प्रभाव पड़ेगा। लाभ में गिरावट के कारण नकद प्रवाह और निवेश के प्रतिफल में गिरावट आएगी।
  - (xii) यदि घरेलू उद्योग अपना सामान्य कीमत स्तर बनाए रखने का विकल्प चुनता है तो उसे इसकी बिक्री की मात्रा कम करना होगी क्योंकि उपभोक्ता आयातों की ओर रुख करना शुरू कर देंगे।
  - (xiii) यदि घरेलू उद्योग बिक्रियों की मात्रा का नुकसान करना चाहता है तो उसे अधिक क्षति का सामना करना होगा क्योंकि बिक्री की मात्रा में गिरावट के कारण मालसूची स्तर में वृद्धि होगी, उत्पादन में गिरावट होगी, क्षमता उपयोग और उत्पादन गिरेगा।

# उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

- 35. क्षति और कारणात्मक संबंध पर अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:
  - (i) वर्तमान मामले में आवेदन में प्रस्तुत सूचना के आधार पर घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं है।

- (ii) घरेलू उद्योग विकट स्थिति में है, जहां चीन से आयात का अपने निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं है। उनका उत्पादन मूल जांच की तुलना में वर्तमान जांच में 11 गुना अथवा 1100% बढ़ा है। इसी प्रकार बिक्रियों में भी 11 मुख्य अथवा 1100% वृद्धि हुई है। बाजार अंश में भी 5.4 गुना अथवा 540% वृद्धि हुई है।
- (iii) वर्तमान जांच में पूर्व जांच की तुलना में अन्य मानदंड जैसे क्षमता, क्षमता उपयोग, लाभ, आरओसीई, नकद प्रवाह, कर्मचारियों की संख्या, मजदूरी, मालसूची इत्यादि में भी पर्याप्त सुधार हुआ है।
- (iv) 10 घरेलू उत्पादकों में से केवल दो ने, जिनका करीब 47% हिस्सा कुल घरेलू उत्पादन में है, प्राधिकारी को क्षिति की सूचना प्रदान की है। अन्य उत्पादकों, जिनका 53% हिस्सा है, ने रिकार्ड के अनुसार कोई क्षिति सूचना प्रदान नहीं की है और साथ ही ऐसा कोई विश्लेषण अथवा कारण नहीं है कि क्यों अन्य उत्पादकों ने ऐसी सूचना प्रदान नहीं की है।
- (v) 10 घरेलू उत्पादकों में से केवल दो ने ही क्षित संबंधी सूचना प्रदान की है और शेष 8 ने प्रदान नहीं की है, जिसका तात्पर्य यह हुआ कि उन 8 उत्पादकों का वित्तीय निष्पादन 2 याचिकाकर्ताओं से काफी बेहतर है अन्यथा उन 8 ने भी क्षित संबंधी सूचना प्रदान की होती। अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि ऐसे घरेलू उद्योग को किसी क्षित की संभावना नहीं है।
- (vi) हेटेक्स संबद्ध वस्तुओं का पाटन नहीं कर रहा है और इसीलिए निर्यातक द्वारा पाटन की कोई संभावना नहीं है।
- (vii) निर्णायक समीक्षा में पाटनरोधी शुल्क तभी जारी रहना है जबिक पाटन और क्षिति दोनों की संभावना है और यदि पाटन की संभावना नहीं है अथवा क्षिति की संभावना भी नहीं है तो शुल्क को जारी नहीं रखा जा सकता और उसे वापस ले लिया जाए।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

- 36. प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उनके अनुरोधों में विभिन्न तर्कों में दिया गया है।
- 37. अनुबंध-॥ के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के अनुसार किसी क्षित निर्धारण में ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जो "पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में कीमत पर उसके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सिहत सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षिति" को दर्शाएगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए यह आवश्यक समझा गया कि यह जांच की जाए कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा कोई महत्वपूर्ण गिरावट हुई है अथवा कीमत में वृद्धि रुकी है जो अन्यथा काफी मात्रा में होती।
- 38. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए उद्योग की स्थिति से संबंध रखने वाले संकेतक जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभ, निवल बिक्री वसूली, मात्रा और पाटन को मार्जिन इत्यादि पर उपरोक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।
- 39. वर्तमान जांच प्रवृत्त पाटनरोधी शुल्कों की एक निर्णायक समीक्षा जांच है। नियम 23 में यह प्रावधान है कि नियम 11 के प्रावधान समीक्षा में भी यथोचित परिवर्तों के साथ लागू होंगे। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षित का निर्धारण, यथोचित परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए अनुबंध-॥ के साथ पठित नियम 11 के प्रावधानों के तहत किया है। इसके अलावा, चूंकि विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं, इसलिए प्राधिकारी यह विचार करते हैं कि क्या संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क पर घरेलू उद्योग का क्षित की जांच करते समय विचार किया जाना आवश्यक है। प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या मौजूदा पाटनरोधी उपाय पर्याप्त हैं अथवा पाटन के कारण से नहीं जिससे क्षित हो रही है।
- 40. सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9(क)(5) के अनुसार, लगाया गया पाटनरोधी शुल्क जब तक पहले हटा न लिया जाए, ऐसे शुल्क लगाने की तारीख से पांच वर्षों की समाप्ति पर प्रभावी नहीं होगा, बशर्ते कि यदि केंद्र सरकार

की किसी समीक्षा में यह राय है कि ऐसे शुल्क के समाप्त होने से पाटन और क्षित के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति होने की संभावना है। यह अवधि समय-समय पर आगे पांच वर्षों की अवधि के लिए बढ़ाई जा सकती है और यह आगे की अवधि ऐसे विस्तार के आदेश की तारीख से शुरू होगी।

41. वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा और कीमतों व उत्पादकता पर पाटन और क्षति, यदि कोई है, के बीच क्षति और कारणात्मक संबंधों की मौजूदगी की जांच के लिए कीमत संबंधी प्रभाव की जांच की है।

#### मांग/स्पष्ट खपत का आकलन

42. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयातों की मात्रा और मूल्य का आकलन करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा यथा प्रदत्त आईबीआईएस से प्राप्त सौदा-वार आयात आकड़ों पर विचार किया। प्राधिकारी ने भारत में उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत को परिभाषित करने के लिए भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों के योग पर विचार किया है। इस प्रकार आकलित मांग निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है:

क्र सं	विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
	    वरेलू उद्योग की बिक्रियां	एमटी	32,319	36,091	36,958	33,638
(ii)	तमर्थकों की बिक्रियां	एमटी	5,982	6,943	24,179	35,702
(iii)	भन्य उत्पादकों की बिक्रियां	एमटी	-	-	1,700	1,280
(iv)	नंबद्ध देश	एमटी	16,617	6,537	4,576	4,228
(v)	भन्य देश	एमटी	7,744	16,803	11,363	8,359
(vi)	नांग/खपत	एमटी	67,434	73,249	84,458	85,846

43. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की स्पष्ट खपत में पूरी क्षति अवधि में निरंतर वृद्धि हुई है।

## पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

44. पाटित आयातों के मात्रा संबंधी प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्यों पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से वृद्धि हुई है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ।।(ii) में निम्नानुसार व्यवस्था है:

"पाटित आयातों के मात्रा संबंधी प्रभाव की जाँच करते समय, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्यों पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से वृद्धि हुई है।"

45. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:

क्र. स.	विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
(i)	संबद्ध देश	एमटी	16,617	6,537	4,576	4,228
(ii)	संबद्ध देश की वस्तुएं-यानांतरण	एमटी	4772	6875	5682	2639
(iii)	अन्य देश	एमटी	7,744	16,803	11,363	8,359
(iv)	कुल आयात	एमटी	29,133	30,215	21,621	15,226
(v)	संबद्ध देश का हिस्सा	%	57	22	21	28
(vi)	संबद्ध देश की वस्तुएं-यानांतरण		16	22	26	17

(vii)	अन्य देश	%	27	56	53	55			
(viii)	कुल आयात	%	100	100	100	100			
	निम्न के संबंध में आयात								
(i)	(i) कुल उत्पादन % 76% 70% 34% 22%								
(ii)	कुल मांग	%	43%	41%	26%	18%			

- 46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से आयातों में क्षति अवधि के दौरान कमी आई है। पीओआई के दौरान संबद्ध देश से आयातों की कम कात्रा और बाजार हिस्से में परिणामी कमी पाटनरोधी शुल्क लागू होने का प्रभाव है।
- 47. यह भी नोट किया जाता है कि उत्पादन और खपत की दृष्टि से भी आयातों में क्षति अवधि के दौरान कमी आई है क्योंकि पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक उपाय लागू हैं। तथापि आयात अब भी पाटित कीमतों पर घरेलू बाजार में प्रवेश कर रहे हैं।

### कीमत प्रभाव

48. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, नियमावली के अनुबंध ।।(ii) में निम्नानुसार निर्धारित है:

घरेलू उद्योग पर पाटित अयातों का कीमत प्रभाव 'नियम 18 के उप-नियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमत को काफी अधिक कम करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी उच्च स्तर तक बढ़ गई होती।'

49. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमत को काफी अधिक कम करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी उच्च स्तर तक बढ गई होती। घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जोंच कीमत कटौती, कीमत हास और कम कीमत पर बिक्री, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है।

#### कीमत कटौती

50. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने आयातों के पहुच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की है। निम्नलिखित तालिका में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत, पाटित आयातों का पंहुच मूल्य और कीमत कटौती निम्नानुसार दर्शाई गई है:

क्र. सं.	संबद्ध देश- चीन	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
1	आयातों की पंहुच कीमत	रू./किग्रा.	82.19	97.56	102.59	101.81
2	निवल बिक्री प्राप्ति	रू./किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	112.58	115.67	110.57
3	कीमत कटौती	रू./किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	94	87.54	69.64
4	कीमत कटौती	%	***	***	***	***
5	कीमत कटौती रेंज	%	20-30	15-25	10-20	10-20

	कीमत कटौती with ADD										
1	आयातों की पंहुच कीमत	रू./किग्रा	108.09	126.96	135.33	135.00					
2	निवल बिक्री प्राप्ति	रू./किग्रा	***	***	***	***					
3	कीमत कटौती	रू./किग्रा	***	***	***	***					
4	कीमत कटौती	%	***	***	***	***					
5	कीमत कटौती रेंज	%	1-10	Negative	Negative	Negative					

51. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत कटौती सकारात्मक है। यदि पाटनरोधी को हटाया जाता तो घरेलू उद्योग को वास्तविक रूप से कीमत कटौती करनी पड़ेगी। संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती होने की संभावना है, जिससे शुल्क की समाप्ति की दशा में घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति होगी।

# कीमत ह्वास/न्यूनीकरण

52. प्राधिकारी ने आगे इस बात की जाँच की है कि क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों में काफी हद तक कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी अधिक बढ़ गई होती। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत में क्षित अविध के दौरान वृद्धि हुई है। तथापि, आयातों की पंहुच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से भी कम है। इस प्रकार, पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से कम कीमत पर आयातों में अचानक वृद्धि होने जिससे कीमत ह्रास और न्युनीकरण होगा, की संभावना है।

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
बिक्री लागत	रू./किग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	107	113	109
बिक्री कीमत	रू./किग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	113	116	111

#### कम कीमत पर बिक्री

53. कम कीमत पर बिक्री को निर्धारित करने के प्रयोजनार्थ आयातों की पंहुच कीमत और क्षतिरहित कीमत के बीच तुलना की गई है। कम कीमत पर बिक्री मार्जिन निम्नानुसार है:

क्र. सं.	विवरण	इकाई रू./किग्रा.
1	क्षतिरहित कीमत	***
2	पंहुच कीमत	***
3	क्षतिमार्जिन	***
4	क्षतिमार्जिन रेंज	11-10

54. उक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण जॉच अवधि के दौरान काफी कम कीमत पर बिक्री को झेला है।

# घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले आर्थिक मापदंडों की जॉच

55. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-।। में यह अपेक्षित है कि क्षिति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

56. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है :-

### उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग, बिक्री

57. घरेलू उद्योग की बिक्री, क्षमता, उत्पादन, और क्षमता उपयोग को निम्नानुसार बताया गया है:

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
क्षमता	एमटी	67,608	69,075	72,010	72,010
उत्पादन	एमटी	30,989	36,563	37,290	34,014
क्षमता उपयोग	%	46%	53%	52%	47%
बिक्री-घरेलू	एमटी	32,319	36,091	36,958	33,638

58. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने देश में बढ़ती हुई मांग को देखते हुए क्षति अविध के दौरान अपनी क्षमता में वृद्धि की है। क्षति अविध के दौरान उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है तथापि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में उसमें मामूली गिरावट दर्ज हुई है।

# मांग में बाजार हिस्सा

59. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की निम्नानुसार जॉंच की गई है:-

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	47.93	49.27	43.76	39.18
समर्थकों की बिक्री	%	8.87	9.48	28.63	41.59
अन्य उत्पादकों की बिक्री	%	-	-	2.01	1.49
संबद्ध देश	%	24.64	8.92	5.42	4.92
संबद्ध वस्तु की बिक्री यानांतरित	%	7.08	9.39	6.73	3.07
अन्य देश	%	11.48	22.94	13.45	9.74
कुल हिस्सा	%	100.00	100.00	100.00	100.00

60. यह नोट किया जाता है कि लागू पाटनरोधी शुल्क के सकारात्मक प्रभाव के रूप में क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि संबद्ध देश के बाजार हिस्से में कमी आई है।

## लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह

61. घरेलू उद्योग की बिक्री लागत, बिक्री कीमत और लाभ/हानि का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:-

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
लाभ/हानि	रू./किग्रा.	***	***	***	***
लाभ/हानि	लाख रूपये	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	281.25	185	161
नकद लाभ	लाख रूपये	***	***	***	***
पीबीआईटी	लाख रूपये	***	***	***	***
आरओआई एनएफए	%	***	***	***	***

62. उक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में क्षति अवधि के दौरान सुधार हुआ है। नकद लाभ, ब्याज पूर्व लाभ और नियोजित पूंजी पर आय में 2012-13 से कुछ गिरावट के साथ क्षति अवधि में वृद्धि हुई है।

## <u>मालसूची</u>

63. संबद्ध वस्तु की मालसूची से संबंधित आकड़े निम्नांकित तालिका में दर्शाए गए हैं:

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
औसत स्टॉक	एमटी	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	57	94	89

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की मालसूची में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है।

# रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

65. रोजगार और मजदूरी के संबंध में घरेलू उद्योग की स्थिति निम्नानुसार है:

रोजगार	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
रोजगार	सं.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	113	110	147
मजदूरी	लाख रू.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	148	156	276
प्रतिदिन उत्पादकता	एमटी	***	***	***	***

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रोजगार और प्रदत्त मजदूरी में क्षति में वृद्धि और देश में प्रचलित श्रम कानूनों के कारण क्षति अवधिके दौरान वृद्धि हुई है। प्रतिदिन उतपादकता में घरेलू उद्योग के उत्पादन के अनुक्रम में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

# पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

67. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में क्षति अवधि के दौरान सुधार हो रहा है इसलिए घरेलू उद्योग पूंजी और निवेश जुटाने की स्थिति में है।

### पाटन की मात्रा

68. पाटन की मात्रा, जो घरेलू उद्योग को क्षति पंहुचाने की पाटित आयातों की क्षमता की सीमा के संकेतक के रूप में है, दर्शाती है कि संबद्ध देशों के विरूद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक और काफी उच्च हैं।

## छ. घरेलू उद्योग को हुई क्षति संबंधी निष्कर्ष

69. यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्रियों, बाजार हिस्सा, लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय जैसे सभी मापदंडों की दृष्टि से घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही है। इस प्रकार, आयातों के कारण पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग के मात्रा और कीमत संबंधी मापदंडों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।

## ज. पाटन और क्षति के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

70. प्राधिकारी समुक्ति करते हैं कि यह एक निर्णायक समीक्षा जांच है और इस जांच में शुल्कों के हटाये जाने की स्थिति में हानि के संभावित परिदृश्य की जांच करना है यद्यपि, वर्तमान में कोई क्षति न हुई हो। यद्यपि संबद्ध आयातों में गिरावट आई है तथापि अब भी वह पाटित और क्षतिकारी कीमत पर घरेलू बाजार में प्रवेश कर रहे हैं।

# घरेलू उद्योग के अनुरोध

- 71. पाटन और क्षति के जारी रहने या पुनरावृति होने की संभावना के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:
  - क. घरेलू बाजार में किए गए निर्यात पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद पाटित कीमतों पर किए गए हैं।
  - ख. यद्यपि आयातों की पात्रा में कमी आई है, तथापि आयात पाटित कीमतों पर किए गए हैं। इस प्रकार यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि पाटन जारी है।
  - ग. घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में सुधार प्रदर्शित हुआ है तथापि कार्यनिष्पादन में यह सुधार संबद्ध आयातों के विरूद्ध लागू पाटनरोधी शुल्क के कारण हुआ है।
  - घ. संबद्ध देश से उत्पादकों के पास नगण्य घरेलू बिक्रियों के साथ काफी क्षमता है जो सिद्ध करता है कि यदि शुल्क हटाया जाता है तो भारत को निर्यात तेज हो जाएंगे।
  - ड. संबद्ध वस्तु की प्रमुख कच्ची सामग्री पीवीसी सस्पेंशन रेजिन और फुली ड्रान यार्न है। प्राधिकारी ने विभिन्न मापदंडों पर विचार करते हुए और इस निष्कर्ष के साथ इन उत्पादकों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया है कि पाटनरोधी शुल्क हटाये जाने की स्थिति में पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।
  - च. प्राधिकारी ने इन उत्पादकों के लिए चीन के पास उपलब्ध अतिरिक्त क्षमता सिहत विभिन्न मापदंडों पर विचार करते हुए पीवीसी सस्पेंशन रेजिन और फुली ड्रान यार्न पर पाटनरोधी शुल्क लगाया था। प्राधिकारी द्वारा विश्लेषण किए गए विभिन्न कारकों के आधार पर इन कच्ची सामग्रियों के लिए पाटन और क्षित की सभावना से पता चलता है कि संबद्ध वस्तु के लिए पाटन और क्षिति की संभावना मौजूद है। संबद्ध वस्तु की कच्ची सामग्री के लिए अतिरिक्त क्षमता से उचित ढंग से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि इन कच्ची सामग्री के तैयार उत्पाद अर्थात संबद्ध वस्तु के लिए अतिरिक्त क्षमता मौजूद है।
  - छ. घरेलू बाजार में प्रवेश करने वाले आयात न केवल बिक्री कीमत से कम कीमत स्तर पर बल्कि बिक्री लागत से भी कम कीमत पर प्रवेश कर रहे हैं। आयात पाटित क्षतिकारी कीमत पर हो रहे हैं। वर्तमान पीओआई में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन दोनों सकारात्मक और काफी अधिक है।
  - ज. किसी निर्णायक समीक्षा जाँच की पीओआई के दौरान यदि आयातों की मात्रा कम भी होती है तो पाटनरोधी शुल्क को लागू रखा जा सकता है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जब कम मात्रा के बावजूद प्राधािरियों ने शुल्क को लागू रखा।
  - झ. लागू पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत कटौती सकारात्मक है।
  - ज. आयात कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से वास्तविक रूप से कम हैं। अंतउपभोक्ता पाटनरोधी शुल्क की अवधि : समाप्त होने पर आयातित उत्पाद को अपनाएंगे जिससे उत्पाद के आयातों में भारी वृद्धि हो जाएगी।

ट. सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना से याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए स्वतंत्र अनुसंधान के अनुसार, यह दर्शाया गया है कि चीन में उत्पादकों के पास संबद्ध वस्तु के लिए भारी उत्पादन क्षमताएं हैं। यदि मौजूदा पाटरोधी शुल्क को हटाया जाता है, तो भारत में उत्पाद का पाटन होने की प्रबल संभावना है। संबद्ध देश से उत्पादकों के पास उत्पादन क्षमताओं को दर्शाने वाली संगत सूचना नीचे तालिका में दर्शाई गई है।

कंपनी का नाम	मात्रा (एमटी)	निर्यातोन्मुख होना
झेजियांग चेंगबेंग न्यू मैटेरियल्स कं. लि.	49,86,000	91-100%
झेजियांग गेंगलोंग न्यू मैटेरियल कं. लि.	4,15,500	91-100%
झेजियांग युलि प्लास्टिक कं. लि., चीन	1,99,48,321	71-80%
जियांगिन नानवेइ प्लास्टिक कं. लि.,	3,32,40,000	
झेजियांग तियांनचांग प्लास्टिक फेब्रिक कं. लि.	2,65,92,000	
झेजियांग हैलिडे न्यू मैटेरियल कं. लि.	3,32,43,324	81-90%
सिक्सी लिनयुन प्लास्टिक्स वार्ट कं. लि.	99,72,000	
शंघाई एनएआर इंडस्ट्रीयल कं. लि.		61-70%
कुल	1,28,397,145	

## आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

- 72. पाटन और क्षति की संभावना और उसकी पुनरावृति होने के संबंध में हितबद्ध पक्षों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- (क) घरेलू उद्योग ने चीन में संबद्ध वस्तु के लिए उपलब्ध क्षमता के गलत आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। इसके अलावा, अतिरेक क्षमता को संभावना विश्लेषण के लिए देखा जाना चाहिए और न कि उपलब्ध क्षमता को, क्योंकि इससे भ्रामक निष्कर्ष निकलेगा।
- (ख) हेटेक्स संबद्ध वस्तु का पाटन नहीं कर रहा है और इसलिए इस निर्यातक से पाटन होने की कोई संभावना नहीं है।
- (ग) निर्णायक समीक्षा में पाटनरोधी शुल्क को तभी जारी रखा जाता है जब पाटन और क्षति दोनों की संभावना हो और यदि पाटन की संभावना नहीं हो या क्षति की संभावना नहीं हो तो शुल्क को जारी नहीं रखा जा सकता है और उसे रद्द किया जाना चाहिए।
- (घ) घरेलू उत्पादकों में से केवल दो ने क्षति संबंधी सूचना प्रदान की है और शेष 8 ने नहीं की है जिसका अर्थ है कि उन 8 उत्पादकों का वित्तीय कार्य निष्पादन 2 याचिकाकर्ताओं से काफी अच्छा रहा है अन्यथा वे 8 उत्पादक भी क्षति संबंधी सूचना दे सकते हैं। इसलिए इससे निष्कर्ष निकलता है कि तथाकथित घरेलू उद्योग को क्षति का कोई खतरा नहीं है।

### प्राधिकारी द्वारा जाँच

73. प्राधिकारी ने पाटन और क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृति होने की संभावना की जाँच करने के लिए घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों के तर्कों की जाँच की है। निम्नलिखित विश्लेषण दर्शाता है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को हटाये जाने की स्थिति पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृति होने की कोई संभावना है।

# i. <u>पूर्ववर्ती जाँचों में निर्धारित पाटन मार्जिन</u>

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती जाँचों और वर्तमान जाँच में निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है जो यह दर्शाता है कि पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने पर पाटन और परिणामी क्षति के जारी रहने की संभावना है।

## ii. शुल्क लगाये जाने के बाद आयातों में गिरावट

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद संबद्ध देश से आयातों में गिरावट आई है। तथापि आयात पाटित और क्षतिकारी कीमत पर किए गए हैं। शुल्क लागू होने पर आयातों में गिरावट और ऐसे आयातों में सकारात्मक पाटन और क्षति मार्जिन का अर्थ शुल्क को वापस लेने पर पाटन की संभावना है।

## iii. <u>पाटनरोधी शुल्क के बावजूद सकारात्मक पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन</u>

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों में कमी आई है, तथापि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन सकारात्मक बना हुआ है। इस प्रकार, यदि शुल्क हटाया जाता है तो संबद्ध देश के उत्पादक पाटन तेज कर देंगे और घरेलू उद्योग को क्षति होगी।

## iv. उत्पादकों की अतिरेक उत्पादन क्षमता

77. यह देखा जाता है कि संबद्ध देश में क्षमता काफी अधिक है और भारत में संपूर्ण घरेलू मांग से भी 1500 गूना अधिक है।

78. प्रतिक्रिया देने वाले निर्यातक नामत: मै0 हेटेक्स टेक्नीकल टैक्सटाइल्स (झांगजियागेंग) कं. लि. की अधिशेष क्षमता का विश्लेषण किया गया था। हेटेक्स टेक्नीकल के द्वारा दायर प्रश्नावली प्रत्युत्तर यह दर्शाता है कि कंपनी के पास व्यापक प्रतिष्ठापित क्षमता है और वह केवल 42% तक ही अपनी क्षमताओं का उपयोग कर रही है। उनका पूर्णरूपेण ध्यान भारत और तीसरे देशों के लिए निर्यात किए जा रहे वर्तमान उत्पादन के लगभग 97% सहित निर्यातों की ओर है।

विवरण	मात्रा (एम.टी.)
क्षमता	***
उत्पादन	***
क्षमता उपयोग	42%
घरेलू बिक्री	***
भारत को निर्यात	***
तीसरे देशों को निर्यात	***
उत्पाद से संबंधित निर्यात	97%

79. प्रतिक्रिया देने वाले निर्यातकों ने तीसरे देशों के लिए निर्यातों का बीजक ब्यौरे के द्वारा बीजक की अनिवार्य सूचना उपलब्ध नहीं करायी है; तथापि, उपलब्ध सूचना का विश्लेषण यह दर्शाता है कि तीसरे देशों के संबंध में महीने-दर-महीने आधार पर पाटन और क्षित मार्जिन बहुत पर्याप्त है। चूंकि भारतीय बाजार इन निर्यातों के लिए अधिक लाभप्रद बन जाएगा, इसलिए पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त कर देने की स्थिति में भारत के लिए उत्पादन और अप्रयुक्त क्षमताओं के विपथन की संभावना है।

# v. निर्यातकों का निर्यातोन्मुख होना

80. इस प्रकार यह देखा जाता है कि संबद्ध देश के पास अतिरेक क्षमता उपलब्ध है और वे काफी निर्यातोन्मुखी हैं। पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने से इन अतिरेक क्षमताओं को भारत में निर्यात किए जाने की संभावना है।

# vi. उपायो की अनुपस्थिति में कीमत कटौती

81. प्राधिकारी ने बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर कीमत कटौती के प्रभाव के अनुसार पाटनरोधी शुल्क को हटाये जाने और घरेलू उद्योग पर उसके परिणामी प्रभाव की जाँच की। यह देखा जाता है कि पीओआई में पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत कटौती काफी अधिक है। इस प्रकार, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी आशंका है कि यदि पाटनरोधी शुल्क की अवधि समाप्त हो जाती है तो आयातों के कारण कीमत कटौती का प्रभाव तेज हो जाएगा और परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होगी।

## vii. घरेलू उद्योग की संवेदनशीलता

- 82. याचिकाकर्ताओं ने यह बताया है कि भारतीय बाजार अत्यधिक कीमत संवेदनशील हैं। उपभोक्ता कीमत को सर्वाधिक महत्व देकर अपनी खरीद का निर्णय लेते हैं। घरेलू उद्योग की संवेदनशीलता इस बात से संबंधित है कि क्या यदि पाटनरोधी शुल्क समाप्त हो जाता है तो घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का खतरा है। अंत: प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया है कि क्या पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने से घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में गिरावट आएगी।
- 83. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से आयातों पर वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने पर घरेलू उद्योग को या तो अपनी कीमतें कम करनी पड़ेंगी या उसे बिक्री मात्राएं गंवानी पड़ेंगी। यदि घरेलू उद्योग आयात कीमतों पर बिक्री करने के लिए बाध्य होता है तो लाभप्रदता में गिरावट आएगी। निवेश पर आय और नकद लाभ में भी कमी आएगी जिससे बाजार में कीमतों पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा, यदि घरेलू उद्योग समान स्तर पर अपनी कीमत को बनाए रखने का विकल्प रखता है तो आयात मात्रा बढ़ेगी क्योंकि घरेलू और आयात कीमतों के बीच भारी कीमत अंतर है। इससे घरेलू उद्योग की बिक्री, उत्पादन और क्षमता उपयोग में काफी गिरावट आने की संभावना है।
- 84. शुल्क की अवधि बढाने का वर्तमान अनुरोध उन घरेलू उत्पादकों की सूचना पर आधारित है जो नियमावली के अंतर्गत इस प्रयोजनार्थ परिभाषित घरेलू उद्योग का निर्माण करते हैं। प्राधिकारी के लिए इस बात की जाँच करने के लिए कि क्या पाटनरोधी शुल्क की अवधि समाप्त होने से घरेलू उद्योग को क्षिति होने की संभावना है, अनुपालन नहीं करने वाले घरेलू उत्पादकों के कार्यनिष्पादन की जाँच करना अपेक्षित नहीं है। इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं बनने वाले घरेलू उत्पादकों का कार्यनिष्पादन वर्तमान प्रयोजन के लिए संगत नहीं है।

## झ. पाटन और क्षति की संभावना संबंधी निष्कर्ष

85. पाटनरोधी शुल्क के परिणामस्वरूप आयातों में गिरावट, सकारात्मक पाटन मार्जिन, वर्तमान जाँच और मूल जाँच में कीमत कटौती और क्षिति मार्जिन, चीन में काफी उत्पादन क्षमताएं, चीन के उत्पादकों का अधिक निर्यातोन्मुख होना जैसे कारकों पर विचार करने से समग्र और संचयी रूप से पता चलता है कि पाटन और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षित की पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में पुनरावृति होने की संभावना है। संबद्ध देशों के पाटित आयातों की मात्रा में लागू पाटनरोधी शुल्क के कारण कमी आई है। पाटित अयातों में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में सुधार हुआ है। तथापि, शुल्क समाप्त होने की दशा में इस बात की पूरी संभावना है कि पाटित आयातों में पुन: वृद्धि होगी और घरेलू उद्योग को क्षिति होगी।

### ञ. कारणात्मक संबंध

- 86. अधिनियम की धारा 9क (5) के अधीन, प्राधिकारी के लिए पाटन और क्षित की संभावना और शुल्कों को जारी रखने की जरूरत होने की जाँच करना अपेक्षित है। तदनुसार, प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि यदि पाटनरोधी शुल्क को हटाया जाता है तो पाटित आयातों के तेज होने और क्षित होने की आशंका है। इस बात के होते हुए भी, प्राधिकारी ने इस बात की जाँच की है कि क्या अन्य सूचीबद्ध कारकों से घरेलू उद्योग को क्षित हो सकती है या क्षित होने की आशंका है।
  - क. पाटित कीमतों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा और मूल्य : प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से आयात या तो न्यूनतम है या उच्चतर कीमतों पर है इसलिए तीसरे देश से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।
  - ख. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में पूरी क्षति अवधि के कारण सकारात्मक वृद्धि रही है । इसलिए मांग में संकुचन ऐसा संभावित कारण नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो ।
  - ग. खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन : विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत की प्रवृत्ति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है । खपत की प्रवृत्ति में घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की संभावना नहीं है।

- घ. व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा : ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं नहीं हैं जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकती हो ।
- इ. प्रौद्योगिकी में विकास : यह नोट किया जाता है कि उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं हुआ है । अत: प्रौद्योगिकी में विकास क्षति का संभावित कारक प्रतीत नहीं होता है ।
- च. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचे गए अन्य उत्पादों का कार्यनिष्पादन : घरेलू उद्योग केवल बहु-उत्पाद कंपनियां हैं । तथापि, क्षति संबंधी विश्लेषण केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किया गया है ।
- छ. उत्पादकता: प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रतिदिन उत्पादकता के रूप में मापी गई घरेलू उद्योग की उत्पादकता में क्षिति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और उसमें उत्पादन के समान रूझान रहा है। इस प्रकार यह देखा जाता है कि उत्पादकता में गिरावट घरेलू उद्योग को हुई क्षित का कारण नहीं है।
- ज. ऐसे घरेलू उत्पादकों का कार्यनिष्पादन जो घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं हैं, वर्तमान प्रयोजन के लिए संगत नहीं है, यद्यपि मामले को मजबूत बनाने के लिए अनेक अन्य घरेलू उत्पादकों ने याचिका का समर्थन किया है।

## ट. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

87. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की प्राधिकारी द्वारा यथा निर्धारित क्षतिरिहत कीमत की तुलना जाँच अविध के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए सहयोगी निर्यातकों के निर्यातों की पंहुच कीमत के साथ की गई है। असहयोगी/शेष उत्पादकों/निर्यातकों के लिए कारखाना-द्वार निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए, सहयोगी निर्यातक द्वारा किए गए न्यूनतम 15 प्रतिशत के निर्यात सौदे के औसत को सहयोगी निर्यातकों के लिए यथा विचारित समायोजनों के साथ माना गया है। असहयोगी निर्यातकों के लिए कारखाना-द्वार निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का नीचे दी गई तालिका के अनुसार निर्धारित किया गया है।

निर्धारित क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	विवरण	मै. हेटेक्स टेक्नीकल टैक्सटाइल्स (झांर्गा	असहयोगी/अवशिष्ट निर्यातक		
		आईएनआर/किग्रा.	अम. डा./किग्रा.	आईएनआर/किग्रा.	अम डा./किग्रा
1	क्षतिरहित कीमत	***	***	***	***
2	पंहुच कीमत	***	***	***	***
3	क्षति मार्जिन	***	***	***	***
4	क्षति मार्जिन -%	***	***	***	***
5	क्षति मार्जिन रेंज	0-5	0-5	15-25	15-25

### प्रकटन के बाद की टिप्पणियां

# घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

- 88. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों का सारांश नीचे दिया गया है:
  - विचाराधीन उत्पाद का दायरा मूल जाँच में विचारित के समान ही रखा गया है। याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं के समान वस्तु है।

- ॥. मैं. पायिनयर पालीलैदर्स लि. और मैं. एसआरएफ लि. ने संयुक्त रूप से याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है और वे संबद्ध देश में किसी निर्यातक या भारत में संबद्ध वस्तु के किसी आयातक से संबंधित नहीं हैं। याचिकाकर्ताओं का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा बनता है।
- ।।।. घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में विभिन्न आर्थिक मापदंडों के संबंध में सुधार हुआ है। आयातों की मात्रा में गिरावट आई है परंतु आयातों से घरेलू कीमत में कटौती हो रही है और पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन सकारात्मक हैं। अंत: पाटनरोधी शुल्क हटाये जाने से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर काफी ह्रासकारी प्रभाव पड़ेगा।
- IV. प्राधिकारी द्वारा प्रतिवादी निर्यातक के दावा किए गए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार को अस्वीकार किया जाना उचित है। इसके अलावा प्रतिवादी निर्यातक जिआंगसु प्रोविंस में झांगजिआगेंग आर्थिक और विकास जोन में स्थित है जो चीन में एक एसईजेड क्षेत्र है और उसे अनेक निर्यात सब्सिडियां मिलती हैं। प्रदत्त सब्सिडियों के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तुओं की लागत कम हो जाती है और इस प्रकार संबद्ध वस्तु की कीमत बाजार कीमतों को नहीं दर्शाती है।
- V. मैं. हेटेक्स टेक्निकल टेक्सटाइल्स (झांगजिआगेंग) कं. लि. को विनिर्माता भी नहीं माना जाना चाहिए। निर्यातक फिल्म और फेब्रिक का केवल लेमिनेशन करता है, जो एक बिल्कुल मामूली प्रकिया है जिसमें किसी प्रमुख उपकरण या विशेषज्ञता की जरूरत नहीं होती है। वे चीन के अन्य कारखानों से फिल्म और फेब्रिक खरीदते हैं और केवल उनका लेमिनेशन करते हैं।
- VI. पाटनरोधी शुल्क समाप्त होने से पाटन और क्षित के जारी रहने या उसकी पुनरावृित होने की आशंका है क्योंिक संबद्ध देश में उनके पास अतिरेक क्षमताएं मौजूद हैं और वे काफी निर्यातों मुखी हैं, यद्यपि क्षित अविध के दौरान संबद्ध आयातों में गिरावट आई है तथापि पाटन मार्जिन और क्षित मार्जिन अब भी सकारात्मक बना हुआ है, शुल्क लगने के बाद आयातों में गिरावट, तथापि सकारात्मक पाटन मार्जिन के साथ, संबद्ध वस्तु की कच्ची सामग्री के लिए उपलब्ध अतिरेक क्षमता इन कच्ची सामग्रियों के तैयार उत्पाद के लिए अतिरिक्त क्षमता की मौजूदगी की ओर संकेत करती हैं, पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत कटौती काफी अधिक है, आयातों की पंहुच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत के स्तर से भी कम है।
- VII. यह शुल्क के लागू होने से आयातों में गिरावट के कारण शुल्क में संशोधन करने के लिए उपयुक्त मामला नहीं है। यद्यपि पाटन जारी है, तथापि पाटित मात्राएं चीन के उत्पादकों द्वारा पाटन की वास्तविक क्षमता को प्रदर्शित नहीं करते हैं। पाटन/क्षति के वर्तमान स्तर पर पाटनरोधी शुल्क की राशि में बदलाव करने से शुल्क के लागू होने से मिलने वाला आशयित लाभ नहीं मिलेगा।
- VIII. पाटनरोधी शुल्क अमरीकी डालर के रूप में स्थिर राशि के अनुसार लगाया जा सकता है।

# हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध

- 89. निर्यातक द्वारा किए गए अनुरोधों का सारांश निम्नानुसार है:
  - निर्यात कीमत में प्राधिकारी को पहले से प्रस्तुत संशोधित गणनाओं के अनुसार सुधार किया जाए। तदनुसार, निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन ऋणात्मक है।
  - प्राधिकारी से वर्तमान निर्णायक समीक्षा जाँच में अंतिम परिणामों के लिए डीजीसीआईएंडएस के आयात आकड़ों पर भी विचार करने का अनुरोध किया गया है।
  - गा. यह अनुरोध किया जाता है कि मूल जाँच की तुलना में वर्तमान निर्णायक समीक्षा जाँच में घरेलू उद्योग के संघटन में हुए भारी बदलावों के संबंध में प्रकटन विवरण में कोई जाँच नहीं की गई है। हम माननीय प्राधिकारी से इस मुद्दे की जाँच करने और अंतिम जाँच परिणामों में उसका समाधान करने का अनुरोध करते हैं।
- IV. घरेलू उद्योग का यह कानूनी दायित्व है कि वह आईबीआईएस से घरेलू उद्योग द्वारा लिये गये मूल/अपरिष्कृत आयात आकड़ों और छांटे गए आयात आकड़ों की भी एक्सेल फाइल में साफ्ट कापी/हार्ड कापी में आयात आकड़ों सहित सभी साक्ष्य के एक प्रति अग्रेषित करे और प्रदान करे, यह अनुरोध किया जाता है कि उक्त की एक प्रति हमे नहीं दी गई है।

- V. हमारे प्रतिनिधि निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के संबंध में यह अनुरोध किया जाता है कि कंपनी ने स्थानीय बाजार से अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर कच्ची सामग्री की खरीद की है और इसलिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के उसके दावे को स्वीकार किया जाना चाहिए और उसे वर्तमान जाँच में बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जाना चाहिए। पक्षपात के बिना चीन के निर्यातक के लिए पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में यह अनुरोध किया जाता है कि चूंकि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध। के पैरा 7 के अधीन अधिदेशित प्रक्रिया का पालन वर्तमान जाँच में नहीं किया गया है, इसलिए यह पूरी जाँच ही अधिकार क्षेत्र के बिना हो जाती है। अंत: अनुबंध। के पैरा 7 के अधीन यथा विहित अनिवार्य प्रक्रिया का इस मामले में आगे कार्रवाई करने से पहले पालन किया जाना चाहिए।
- VI. पैराग्राफों 42, 45 और 59 के अंतर्गत तालिकाओं में यद्यपि "संबद्ध देश यानांतरित वस्तुएं" शीर्ष के अंतर्गत आयातों को क्षिति विश्लेषण में शामिल किया गया है, तथापि ऐसे आयातों के संबंध में कोई विश्लेषण या निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। हम माननीय प्राधिकारी से अंतिम जाँच परिणाम में उनके संबंध में विश्लेषण/निष्कर्ष निकालने का अनुरोध करते हैं।
- VII. धारा 9क(5) और नियम 23 (1ख) में निहित कानूनी उपबंधों से यह देखा जा सकता है कि निर्णायक समीक्षा जाँच में पाटनरोधी शुल्क को केवल उन्हीं मामलों में जारी रखा जाता है जिनमें पाटन और क्षित दोनों होने की संभावना हो और यदि पाटन की संभावना न हो या क्षिति की संभावना न हो तो निर्णायक समीक्षा जाँच में पाटनरोधी शुल्क को जारी नहीं रखा जा सकता है और उसे रद्द किया जाना चाहिए। वर्तमान निर्णायक समीक्षा जाँच में हेटेक्स द्वारा निर्यातों के कारण पाटन और क्षिति दोनों की कोई संभावना नहीं है इसलिए हमारे प्रतिनिधि निर्यातक के लिए वर्तमान जाँच में शुल्कों को समाप्त किया जाना चाहिए जैसे निम्नलिखित से देखा जा सकता है।
- VIII. यह अनुरोध किया जाता है कि हेटेक्स द्वारा निर्यातों से घरेलू उद्योग को क्षित होने की संभावना भी नहीं है क्योंकि क्षिति मार्जिन नगण्य है। इसके अलावा, जब घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में स्वीकृत रूप से इस तथ्य के बावजूद सुधार हुआ है कि चीन के निर्यातकों द्वारा कथित पाटन, भारी कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई है, तो यह मानने का कोई कारण नहीं है कि हेटेक्स से अपाटित निर्यातों जिनका क्षित मार्जिन नगण्य है, उनसे घरेलू उद्योग की स्थिति पर कोई प्रभाव पड़ेगा। इस प्रकार हेटेक्स से निर्यातों के कारण भी घरेलू उद्योग को क्षिति होने की कोई संभावना नहीं है।
  - IX. यह अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने हेटेक्स द्वारा निर्यातों के कारण क्षिति या पाटन की संभावना का कोई मामला नहीं बनाया है क्योंकि घरेलू उद्योग ने हेटेक्स और उसके निर्यातोन्मुख होने के संबंध में अतिरेक क्षमता के लिए अपना मामला नहीं बनाया है। इसके अलावा, यह भी देखा जा सकता है कि हेटेक्स की क्षमता चीन के अन्य उत्पादकों या भारतीय घरेलू उत्पादकों की तुलना में इतनी कम है कि उससे घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता है। इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि घरेलू उद्योग को हेटेक्स द्वारा निर्यातों से कोई नुकसान होने की संभावना नहीं है।

## प्राधिकारी द्वारा जाँच

- 90. निर्यातक और घरेलू उद्योग द्वारा उठाये गए मुद्दों का पूर्ववर्ती पैराओं में पहले ही समाधान कर दिया गया है। तथापि, स्पष्टता के लिए कुछ मुद्दों का समाधान संक्षेप में निम्नानुसार किया जा रहा है:
  - क. इस मामले से संबंधित सूचना सभी हितबद्ध पक्षों को इस प्रयोजनार्थ रखी गई सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध रखी गई है।
  - ख.प्राधिकारी ने आईबीआईएस आकड़ों पर भरोसा करने का निर्णय लिया है क्योंकि डीजीसीआईएंडएस के आकड़ों में विभिन्न एचएस कोडों के अंतर्गत संबद्ध वस्तु के कम मात्राओं के आयात को दर्शाया गया है।
  - ग. निर्यातक को एमईटी दर्जा प्रदान करने के उनके दावे के संबंध में यह सिद्ध करने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया था कि सभी कच्ची सामग्रियों को आस-पास की कीमतों पर खुली बाजार की दशाओं के अधीन खरीदा जा रहा है। चूंकि वे साक्ष्य देने में विफल रहे, इसलिए प्राधिकारी ने मैं. हेटेक्स को एमईटी दर्जा प्रदान नहीं करने का निर्णय लिया।

- घ. शुल्क की अविध बढाने का वर्तमान अनुरोध उन घरेलू उत्पादकों की सूचना पर आधारित है जो नियमावली के अंतर्गत इस प्रयोजनार्थ परिभाषित घरेलू उद्योग का निर्माण करते हैं। प्राधिकारी के लिए इस बात की जाँच करने के लिए कि क्या पाटनरोधी शुल्क की अविध समाप्त होने से घरेलू उद्योग को क्षिति होने की संभावना है, अनुपालन नहीं करने वाले घरेलू उत्पादकों के कार्यनिष्पादन की जाँच करना अपेक्षित नहीं है। इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं बनने वाले घरेलू उत्पादकों का कार्यनिष्पादन वर्तमान प्रयोजन के लिए संगत नहीं है।
- ङ. इच्छुक पार्टियों द्वारा उठाए गए अन्य बिंदुओं को पहले से ही जवाब निर्यातक और संभावना परिदृश्य के साथ अतिरिक्त अप्रयुक्त क्षमता के तथ्य सहित पूर्ववर्ती पैराग्राफों में विस्तार के साथ पेश किया गया है ।

#### ठ. निष्कर्ष

- 91. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि:
  - क. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।
  - ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
  - ग. पाटन-रोधी शुल्क के समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है।
  - घ. इन परिस्थितियों में, निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्कों की मौजूदा सीमा तक सिफारिश करने हेतु इसे उपयुक्त समझते हैं।

## ड. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

- 92. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाने से उत्पाद के मूल्य स्तरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। तथापि पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में स्वच्छ प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन प्रथाओं द्वारा अनुचित लाभ प्राप्त करना दूर किया जायेगा, घरेलू उद्योग की गिरावट को रोका जा सकेगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत अधिक पसंद की उपलब्धता को बनाये रखने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता अब भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं।
- 93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की गलत व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई हानि को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में स्वतंत्र और स्वच्छ प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुन: स्थापित किया जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से किसी भी प्रकार से संबद्ध देशों से आयात में रुकावट नहीं आयेगी और इसलिए यह उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा।

### ढ. निष्कर्ष तथा सिफारिशें

- 94. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत की गई और उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी और पाटन, क्षित एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। घरेलू उद्योग द्वारा दिये गये तर्क, दी गई सूचना और किये गये अनुरोध के संबंध में तथा प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए तथा उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी का निष्कर्ष है और वे यह सिफारिश करते है कि:
  - क. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।
  - ख.घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में विभिन्न आर्थिक मापदंडों के संबंध में सुधार हुआ है। आयातों की मात्रा में गिरावट आई है परंतु आयातों से घरेलू कीमत में कटौती हो रही है और पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन सकारात्मक हैं। अंत: पाटनरोधी शुल्क हटाये जाने से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर काफी ह्रासकारी प्रभाव पड़ेगा।
  - ग. पाटनरोधी शुल्क हटाये जाने से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर काफी ह्रासकारी प्रभाव पड़ेगा।

- घ. चीन के लिए आकडों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि उत्पादकों के लिए भारतीय बाजार की मूल्य आकर्षता, अतिरिक्त क्षमता और निर्यात उन्मुखीकरण के साक्ष्य को देखते हुए, प्राधिकारी यह निर्धारित करते है कि चीन से पाटन और हानि के लिए फिर से होने की संभावना है।
- ङ. इन परिस्थितियों में, निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्कों की मौजूदा सीमा तक सिफारिश करने हेतु इसे उपयुक्त समझते हैं। इस प्रकार प्राधिकारी घरेलू उद्योग को होने वाले नुकसान से बचाने के उद्देश्य से इसे आवश्यक समझते हैं कि से चीन से संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर लगाये गये निश्चित पाटन रोधी शुल्क और ताईवान से संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर निश्चित पाटन रोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश करें जिसका विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

## शुल्क तालिका

क्र. सं.	टैरिफ मद	वस्तुओं का विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि (अमरीकी डालर )	इकाई
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	3918; 3919; 3920; 3921; 3926	पीवीसी फ्लेक्स फिल्म	चीन जन. गण.	चीन जन. गण	हेटेक्स टैक्नीकल टेक्सटाइल्स (झंगजियागांग) कं. लि	हेटेक्स टैक्नीकल टेक्सटाइल्स (झंगजियागांग) कं. लि	0.034	कि.ग्रा
2	3918; 3919; 3920; 3921; 3926	पीवीसी फ्लेक्स फिल्म	चीन जन. गण.	चीन जन. गण	क्र. सं. 1 से इतर निर्यातकों का कोई		0.538	कि.ग्रा
3	3918; 3919; 3920; 3921; 3926	पीवीसी फ्लेक्स फिल्म	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. के अलावा अन्य देश	कोई	कोई	0.538	कि.ग्रा
4	3918; 3919; 3920; 3921; 3926	पीवीसी फ्लेक्स फिल्म	चीन जन. गण. के अलावा अन्य देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	0.538	कि.ग्रा

<sup>\*</sup> संबद्ध वस्तुओं के लिए संकेतात्मक एचएस कोड इस प्रकार हैं

39019090	39201099	39205192	39209490	39211310	39219039
39042290	39202020	39205919	39209919	39211390	39219099
39181090	39202090	39206290	39209929	39211900	39261019
39191000	39203090	39206929	39209932	39219010	39262029
39199090	39204300	39206999	39209939	39219026	39264039
39201012	39204900	39209119	39209999	39219029	39269099
39201019	39205191	39209299	39211200	39219036	

- 95. निम्नलिखित उत्पाद नीचे दी गई शुल्क तालिका में यथा अनुशंसित पाटनरोधी उपायों के दायरे से बाहर हैं:
  - पीवीसी रिजिड फिल्म्स
  - काटन/केनवास तारपोलीन्स
  - पीवीसी फिल्म
  - सेल्फ-एडेसिव विनाइल
  - वन वे विजन फिल्म्स/परफोरेटेड विंडो फिल्म
  - कलर्ड विनाइल
  - मेस बैनर/फेब्रिक
- 96. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमा शुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा3 ,3 क,8 ख, 9 तथा9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी शुल्क शामिल होंगे।
- 97. केन्द्र सरकार द्वारा इस अंतिम जांच परिणाम पर आधारित आदेश के विरूद्ध खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

#### MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th June, 2016

(Final Findings)

Subject: - Sunset Review investigation relating to Anti-Dumping Duties imposed on imports of 'PVC Flex Film' originating in or exported from China PR

#### **BACKGROUND**

**F.No. 15/13/2015- DGAD: -** Whereas, the Authority had originally initiated investigations on dumping of subject goods from China PR on 1st February, 2010. The Authority recommended imposition of provisional anti-dumping duties vide notification No. 14/4/2010 - DGAD dated 22nd June, 2010 and Ministry of Finance imposed provisional anti-dumping duty on the subject goods vide notification No. 79/2010-Customs, dated the 30th July, 2010. The Designated Authority

thereafter recommended imposition of definitive duty vide Notification No.14/4/2010-DGAD dated 29th July 2011. Ministry of Finance, vide Notification No. 82/2011dated 25th August 2011 imposed definitive anti-dumping on all imports of subject goods originating in or exported from China PR.

- 2. And whereas, M/s Pioneer Polyleathers Ltd and M/s SRF Ltd (hereinafter referred to as 'petitioners') approached the Authority with a duly substantiated application requesting for sunset review of the definitive anti-dumping duty earlier imposed vide Ministry of Finance Notification No. 82/2011 dated 25th August 2011 on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country and seeking the continuation of anti-dumping duty on the grounds that cessation of anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
- 3. Having satisfied that the petitioners have substantiated the need for a review, the Designated Authority considered it appropriate to initiate sunset review vide notification no. 15/13/2015-DGAD dated 27th July 2015. The validity of the antidumping duty on the imports of the subject goods from the subject country was extended up to 29<sup>th</sup> July 2016 by the Central Government vide Notification No. 43/2015-Customs (ADD) dated 18<sup>th</sup> August, 2015.
- 4. The scope of the present review covers all aspects of the previous investigations concerning import of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

#### A. GENERAL PROCEDURE

- 5. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
  - a. The Authority notified the embassy of China in India about the receipt of application before proceeding to initiate the investigation.
  - b. The Authority issued notification no. 15/13/2015-DGAD dated 27th July 2015 initiating sunset review investigations, which was published in the Extraordinary Gazette of India.
  - c. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known producers and/or exporters in the subject country and other domestic producers (whose details were made available by the petitioners) and provided them opportunity to provide relevant information and make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2).
  - d. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known importers and/or consumers of subject goods in India and advised them to provide relevant information and make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).
  - e. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known producers and/or exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also made available for other interested parties, on request.
  - f. The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the Embassy of subject country, and known exporters/producers in accordance with the Rule 6(4).
    - i. M/s. Zhejiang MSD Warp knitting and Coating Co. Ltd.
    - ii. M/s. Shanghai LanQuan Plastic Products Co. Ltd.

- iii. M/s. Zhejiang Minglong Holding Ltd.
- iv. M/s Zhejiang Tianxing Technical Textiles Co. Ltd.
- v. M/s. Haining ganglong Knitting Clothes Co. Ltd.
- vi. M/s. Hangzhou Hongze New Material Co. Ltd.
- vii. M/s. Julong Tent & Advertisement Materials Industrial Co. Ltd.
- viii. M/s. Shanghai oursign Indutrial Co. Ltd.
- ix. M/s. Zhejiang Chengbang New Materials Co. Ltd.
- x. M/s. Habei Hongding Plastic Manufacturing Co. Ltd.
- xi. M/s. Cixi Linyun Plastics Wart Co. Ltd.
- xii. M/s. Zhejiang Yuli Plastic Co. Ltd.
- xiii. M/s. Jiangjin Nanwei Plastics Co. Ltd.
- xiv. M/s. Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd.
- xv. M/s. Zhejiang Botai Plastic Co. Ltd.
- xvi. M/s. Zhenjiang Tianchang Plastic Fabric Co. Ltd.
- xvii. M/s. Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd
- xviii. M/s. Shanghai Nar Industrial Co. Ltd.
  - xix. M/s. Zhejiang Hailide New Material Co. Ltd.
  - xx. M/s. Shanghai Inflex Signage Co. Ltd.
- xxi. M/s. Zhejiang Minglong plastic Cement Co. Ltd.
- xxii. M/s. Hebei Yuxin Industry & Trade Co. Ltd.
- xxiii. M/s. Jiangjin Nanwei International Trade Co. Ltd.
- xxiv. M/s. Guangzhou Hongxin Economic Development Co. Ltd.
- g. Only one exporter namely, M/s. Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd. has filed response to the questionnaire.
- h. Questionnaire was sent to the known importers or users for providing necessary information in accordance with Rule 6(4).
  - i. Graphic Aids Print Sales Company
  - ii. eSys Information Technologies Pvt. Ltd.
  - iii. Shubh Plastics

- iv. Aditya International
- v. Rationale Business Corporation Pvt Ltd.
- vi. Revel Compu\_Con Pvt Ltd.
- vii. Tower Ovearseas Ltd.
- viii. TechNova Imaging Systems P Limited
- ix. Goldstone Imaging Pvt. Ltd.
- x. Kumar Distributors
- xi. Tech-Zone Global Trading Co.
- xii. Krishna Tarpaulin Industries
- xiii. Max Flex & Imaging Systems Pvt Ltd.
- xiv. 3M India Limited R&D Cente
- xv. Avery Dennision (India) Pvt Ltd.
- i. None of the importers filed response to the questionnaire.
- j. Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to the known producers/exporters in China PR and the Embassy of China PR in India with the request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time limit.
- k. Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd. from China PR have filed MET questionnaire response rebutting the non-market economy treatment meted out to China.
- 1. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange for details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation, which was received by the Authority. The domestic industry provided information with regard to imports based on IBIS data (secondary source). The Authority notes that the DGCI&S data reported low volume of imports as compared to the IBIS data (secondary source), which may be on account of the fact that the PUC is being imported under various miscellaneous and unrelated HS Codes which could not be captured in the import data. The Authority therefore has relied upon the DGCI&S imports data for computation of the volume & value of imports and injury analysis.
- m. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry. The NIP has been determined by the Authority in terms of the principles laid down under Annexure III to the Antidumping Rules.

- n. The period of investigation for the purpose of the present review is April 2014 March 2015 (12 months). However, injury analysis covered the periods Apr'11- Mar'12, Apr'12-Mar'13, Apr'13-Mar'14 and the period of investigation.
- o. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-dumping Rules, the Authority provided opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 22<sup>nd</sup> December, 2015. The parties, who presented their views in oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- p. Arguments raised and information/evidence provided by the interested parties during the course of the investigation, to that extent the same are considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority.
- q. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry and the exporter.
- r. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- s. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- t. The Authority during the course of investigation satisfied itself as to the accuracy of the information supplied upon which these findings are based. The Authority conducted on-thespot verification at the premises of the domestic industry to the extent considered relevant and necessary.
- u. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by domestic industry through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- v. A disclosure statement was issued on 19.04.2016 containing essential facts under consideration of the Designated Authority, which have formed the basis for this Final Finding Notification. A time of one week, up to 26.04.2016 was given to furnish comments, if any, on Disclosure Statement. The Authority has considered post disclosure comments received from interested parties appropriately.
- w. \*\*\* in this final finding notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules on merits.
- x. The average exchange rate of 1US\$ = Rs 61.69 prevailing during the POI has been adopted by the Authority in this finding.

### B. SCOPE OF THE PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

- 6. The product under consideration in the present investigation is PVC Flex films, also known as PVC flex banner and PVC flex sheets for advertising signage, billboards, PVC films and tarpaulins etc. (hereinafter referred to as subject goods). Flex is a sheet of plastic widely used to deliver high quality digital print for outdoor hoardings and banner mainly printed by large color plotters in CMYK mode. Because of the quantum jump in the technology of digital printing which has seen the cost of digital inkjet printing coming down substantially coupled with the fact that the capital cost of these digital printers has come down many fold. This has led the product to take 100% of the market share of the entire visual advertising industry for its low cost and durability.
- 7. The product is basically a multi-layered PVC film with sand-witch lamination of reinforcement textile. These films are made on calendar. PVC resin is weighed and batched on automated beaching system along-with CaCO3 (Calcium Carbonate Powder). This is then mixed with preweighed quantity of DOP and mixed with kneader. This dough of PVC CaCO3 and DOP is then mixed in roller mixer in two stages and passed through an extruder strainer to rule out any foreign particles and bodies. The final extended PVC paste is fed to the calendar through the conveyer and PVC sheet film is formed which is chilled on the take up rolls and wound. This wound film is then laminated with reinforced fabric on a laminating machine. This laminated product called flex for advertisement industry. After lamination the flex is trimmed and rolled.
- 8. The flex can be of different types depending upon its quality and characteristics like front lit or back lit and Glossy or Mattie. Moreover, in India Front lit and glossy flex is more in demand.
- 9. The Authority has examined the product under consideration in the previous investigation and the scope of the PUC has been kept same as defined in the original investigation. Further, no significant developments have taken place over the period. The product under consideration in the final findings of the original investigation was defined as follows:

"The product under consideration is 'PVC Flex Film'. PVC Flex Films are also known as PVC Flex Banners, PVC Flex Sheets for advertising signage, billboards and PVC Flex Tarpaulins, etc., (hereinafter referred to as subject goods). However, PVC Films, PVC Rigid Films, Cotton/Canvas Tarpaulins, Self Adhesive Vinyl, One way vision film/Perforated window film and Mesh Banner/Fabric do not constitute PUC and therefore are outside the purview of this investigation.

PVC Flex Films are classified under Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975, under Tariff Heading Nos. 3920 and 3921. The Authority notes that the material is being imported and cleared under a large number of other customs classifications as well, which includes 39201019, 39201012, 39204900, 39219026, 39219029, 39269099, 39199090, 39181090, 39189090, and 39269080. The customs classifications are however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation"

10. The present investigation being a sunset review investigation of anti-dumping duties in force, the Authority considers that the scope of the product under consideration in the present investigation remains the same as that of the original investigation. Moreover, none of the interested parties have made any relevant submission requesting modification in the scope of the review.

11. The petitioners have claimed that the goods produced by the domestic industry are like article to the imported product in terms of parameters such as physical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification. The two are technically and commercially substitutable. In the original investigations the Authority has already held that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the subject goods imported from the subject country. Thus, the authority concludes that the subject goods produced by the domestic industry are like article to that imported from the subject country.

#### C. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

#### **Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties**

12. It has been submitted that there are significant changes in the composition of the domestic industry in present sunset review investigation as compared to the original investigation. In the original investigation, there was only one producer of the subject goods. After the original investigation, the number of domestic producers of the subject goods in India increased to as high as 10 producers in the current sunset review investigation and out of the said 10 producers, only two producers namely M/s. Pioneer Polyleathers Ltd. and SRF Ltd. having a share of about 47% in the total domestic production have submitted the petition for current sunset review and provided injury information to the Authority. It may be seen that other domestic producers having a share of 53% in the total domestic production have not provided any injury information on record. It has been submitted that since current investigation is a sunset review investigation, it becomes important that the information from maximum number of domestic producers be taken on record for the current injury and the likelihood of injury. There is no analysis or reasons in the petition as to why the other domestic producers have not provided information in the current sunset review investigation. The information from the other domestic producers should have been obtained for a meaningful analysis and justifiable findings in the current investigation.

#### **Submissions by the Domestic Industry**

- 13. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to scope of the Domestic Industry and Standing:
  - a. The present petition has been filed by M/s. Pioneer Polyleathers Ltd and M/s. SRF Ltd. which constitutes domestic industry of the product under consideration in India.
  - b. There are other known producers of PVC Flex Film in India, apart from the petitioner, viz.
    - i. Sunlex Fabrics Pvt. Ltd.
    - ii. Vermora Flex,
    - iii. Qrex Flex Pvt Ltd
    - iv. Swaroop Flex
    - v. Canadian Vinyl

- vi. Khushboo PVC Flex
- vii. Jindal Speciality Textiles Ltd.
- viii. Navratan Speciality Chemicals LLP
- c. The present petition is supported by the following producers:
  - i. Sunlex Fabrics Pvt. Ltd.
  - ii. Qrex Flex Pvt Ltd.
  - iii. Canadian Vinyl
  - iv. Jindal Speciality Textiles Ltd.
  - v. Navratan Speciality Chemicals LLP
- d. The production by petitioners is around 47.4%, it therefore constitutes a major proportion of total domestic production of subject goods in India. Further, production by petitioner along with supporters constitutes almost 98% of total Indian production. None of the petitioners have imported the subject goods from subject country or are related to any exporter in the subject country or an importer in India. Thus, the present petition satisfies the standing requirement under the Rules to file the present petition and petitioner constitutes 'domestic industry.
- e. Present petition is for sunset review. This being sunset review investigation, the Authority is not required to ascertain standing of the petitioner to file the present petition.

# **Examination by Authority**

- 14. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:
  - "(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers"
- 15. The application was filed by M/s. Pioneer Polyleathers Ltd and M/s. SRF Ltd. The Authority notes that there are other known producers of the subject goods in India, apart from the petitioners, viz., Sunlex Fabrics Pvt. Ltd., Vermora Flex, Qrex Flex Pvt Ltd, Swaroop Flex, Canadian Vinyl, Khushboo PVC Flex, Jindal Speciality Textiles Ltd, and Navratan Speciality Chemicals LLP. Also, the application is supported by following producers, viz., Sunlex Fabrics Pvt. Ltd., Qrex Flex Pvt Ltd, Canadian Vinyl, Jindal, Speciality Textiles Ltd, and Navratan Speciality Chemicals LLP. Further, the Authority notes that the data furnished by the petitioners show that the production of petitioners constitutes "a major proportion" of total domestic production of subject goods in India in terms of AD Rules. It is noted that none of the petitioners have imported the subject goods from subject country nor are they related to any exporter in the

subject country or an importer in India. The petitioners therefore satisfy the requirement of standing to file the present petition and constitute 'Domestic Industry' within the meaning of the Rule 2(b) and Rule 5 of the Rules supra.

#### D. CONFIDENTIALITY ISSUES

## Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties

- 16. Following submissions have been made by M/s. Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd, exporter with regard to confidentiality:
  - a. Domestic Industry has kept following information as confidential without providing any legitimate reasons in the non confidential version of the application
    - i. Soft/hard copy of original/raw transaction-wise import data obtained from IBIS has not been provided. Neither there is any indication whether the same has been submitted to Authority or not.
    - ii. The domestic industry has provided a PDF version and not a soft copy in excel file of the transaction-wise sorted IBIS import data, original/raw import data and a list of the excluded transactions for the periods April 11-March 12, April 12-March 13, April 13-March 14 and April 14-March 15.
  - iii. The Stock volume and number of employees of the petitioner companies has also been kept confidential.
  - iv. The domestic industry has given only the trend analysis of the profitability and ROCE figures and the percentage has been kept confidential.
  - v. The absolute number of the normal value has been kept as confidential and only the figures in the ranges have been given.
  - vi. Annual reports of the petitioner companies have also been claimed as confidential.

## **Submission by the Domestic Industry**

- 17. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to various other issues
  - a. The import data provided by the IBIS itself is a processed data and not raw. Notwithstanding, a copy of the import data as received from IBIS has been separately provided for placing in the public file.
  - b. The guideline issued by Authority requires the exporters also to provide excel file in soft copies. None of the exporters however provide such excel file in soft copies. The soft copies are meant for the Authority and cannot be demanded by the interested parties as legal right. Nothing prevents the interested parties in procuring the data from IBIS.
  - c. The information regarding stock volume and number of employees was contained in the petition.

- d. The profitability or ROCE figures are highly business sensitive information and can have very adverse impact on the domestic industry and therefore cannot be provided to the interested parties on actual basis.
- e. The amount of normal value when divided by 1.05 is the cost of production of the domestic industry adopted in normal value calculations. Further, since raw material prices are reasonably and publically known, once the figures of cost of production becomes known, the conversion cost of the domestic industry becomes fairly known.
- f. SRF is a public limited company and its annual report is available on company's website. M/s. Pioneer is not a listed company and therefore its annual report cannot be disclosed to the interested parties.

# **Examination by the Authority**

- 18. Submissions made by the interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
  - (1) With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:- Confidential information:
    - (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (7) of rule 6, sub-rule(2),(3)(2) of rule12,sub-rule(4) of rule 15 and sub rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.
    - (2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.
    - (3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that their request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.
  - (2) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

- (3) As regards submission that the Soft/hard copy of original/raw transaction-wise import data obtained from IBIS has not been provided, the Authority notes that the domestic industry have subsequently provided and the same was placed in public file for the comments of interested parties.
- (4) As regards submission of the other interested parties concerning the soft copy in excel file of the transaction-wise sorted IBIS import data to be submitted with the application, the Authority notes that there is no legal mandate for providing excel file of the transaction wise IBIS data.
  - (5) As regards submission on non disclosure of certain injury parameters, the Authority notes that the same were examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim and upon being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims. The domestic industry had provided indexed information of the injury parameters which could not be disclosed on actual basis.
    - (6) As regards submission of the other interested parties concerning the Annual reports, the Authority notes that the petition is based on two companies, M/s. SRF and M/s. Pioneer and according to the declaration of the domestic industry, out of these two companies, SRF is a public limited company and its annual report is available on company's website and therefore easily accessible. As far as M/s. Pioneer is concerned, it is not a listed company and therefore its annual report cannot be disclosed to the interested parties.

# E. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

# **Market Economy Treatment & Normal Value**

## Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties

- 19. M/s. Heytex Technical Textiles Co. Ltd. has submitted as follows:
  - a. The domestic industry in their application stated that China is a non-market economy country and the normal value for China is required to be determined on the basis of any of the methods laid down in Para 7 of Annexure I to the Anti-dumping Rules. However, the domestic industry determined the normal value for Chinese exporters on the basis of domestic cost without following the mandatory procedure prescribed in Para 7 and the Para 7 is reproduced below for the ready reference of the Hon'ble Authority:
    - "7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question] and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall also be taken within time limits, where appropriate, of the investigation if

any made in similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

- b. It is clear from the above that Paragraph 7 of Annexure 1 to the Anti-dumping Rules lays down hierarchy of the methods to be followed by the Designated Authority while determining the normal value for a non-market economy country. The Hon'ble Supreme Court in in Shenyang Matsushita 2005 (181) ELT 320 (SC) has also held that the first method is to be exhausted before adopting the second method or the next alternative for the determination of normal value in terms of the provisions of the Para 7 of the Annexure I.
- c. In terms of the provisions of this paragraph, the Designated Authority is required to first identify the market economy third country for determination of normal value and only when it is not possible to obtain necessary data from such third country, the normal value is to be determined on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. It is submitted that the domestic industry is under an obligation to inform the selection of market economy third country so as to give the parties concerned an opportunity to respond to the same. However, the mandatory procedure prescribed by law in the present case has not yet been followed as the interested parties have not been put to notice about selection of the third country nor the interested parties have been requested to suggest and make necessary information available about the market economy third country. We, would, therefore, request the Hon'ble Authority to kindly follow the mandatory procedure prescribed in Para 7 of Annexure I before proceeding further in the matter.

# **Submissions by the domestic industry**

# 20. Domestic industry has made following submissions: :

- a. China should be treated as non-market economy country and normal value in case of China should be determined in accordance with para-7 Annexure-I to the Rules.
- b. The petitioner has not been able to get any evidence of price in the domestic markets of subject countries. In view of the same, the normal value has been constructed for all exporters/producers from subject countries.
- c. The interested parties had sufficient opportunity to suggest a market economy third country. Petitioners have requested India to be considered as an appropriate surrogate country. The sole responding exporter had earlier participated in the original investigation and had also claimed market economy treatment. However, The Authority rejected the claim.
- d. Major raw materials for the product under consideration are PVC Suspension Resin and FDY. During the original anti dumping investigation, it was observed that Raw materials purchased by the exporter were from the companies who were responding during the original investigation and the Authority had concluded that they were operating under non market economy conditions. In the present case, the response filed by the exporter

states that "Heytex purchases raw materials and other inputs from unrelated suppliers in domestic suppliers on prevailing market price". The names of the said suppliers have not been disclosed. If the raw materials purchase cannot be established to be at market price, producer-exporter cannot be given market economy treatment.

# Examination of Market Economy claims in respect of China PR by the Authority

- 21. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters/producers in terms of the AD Rules.
- 22. As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy may be rebutted, if the exporter(s) /producer(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The co-operating exporters/ producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/ sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:
  - i. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
  - ii. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
  - iii. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
  - iv. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
- 23. The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority; M/s. Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd. from China PR has submitted the questionnaires' responses including the market economy questionnaire's response and sought to rebut the non-market economy presumption.
- 24. It is noted that M/s. Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd. had participated in the original investigation and the Authority held as follows as regards the market economy claims made by the responding exporter:
  - "65. The following are the observations of the Authority:
  - As per the response filed with the Authority, M/s. Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd. is a 100% owned subsidiary of Heytex Bramsche GmbH, Germany, established in the year 2006.

- From the information submitted by the subject company subsequent to verification of data by the Authority, it has come to the notice of the Authority that the company had procured substantial quantum of the major raw materials from some companies namely M/s Haining Tianchang Plastic Fabric Co Ltd, M/s Haining Ganglong Knitting Clothes Co, etc who are respondents in the present investigation and have been declared as non-market economy by the Authority.
- In the response filed by M/s. Zhejiang Ganglong New Material Co., it is stated that prior to May 2009 the company was known as M/s. Hainjng Ganglong Knitting Clothes Co.Ltd. Further, from the public domain information of M/s. Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd., it is evident that this company is also known as M/s Hainjng Ganglong Knitting Clothes Co. Ltd. As per the information furnished by the subject company they have procured significant quantum of PVC Films from M/s. Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd. (M/s. Hainjng Ganglong Knitting Clothes Co. Ltd) at a price lower than the prices of other suppliers.
- They have also procured significant quantum of polyester mesh from a company named Haining Tianchang plastic Fabric Co. Ltd in China. It is noted that this company is none other than M/s Zhejiang Tianchang Plastic Fabric Co. Ltd., a respondent producer/exporter in the present investigation, who has been accorded non-market economy status by the Authority.
- 66. Post disclosure the subject company stated that the ground on which the Authority has rejected the MET claim of the subject company is factually incorrect and legally untenable. However, the subject company has not disputed the observations of the Authority that they have procured substantial quantum of the major raw materials from non-market sources. The Authority notes that the subject company has not conclusively and substantively proved that the raw materials procured by the subject company from non-market sources are not impacted by non-market forces. In view of the above, the Authority does not grant market economy status to M/s Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd "
- 25. In the current review investigations, the response and the claim for MET filed by M/s Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd was examined. The exporter submitted that they are an MNC, whose shareholders are from Germany and they are procuring only 2 major raw materials for manufacture of PUC from unaffiliated Chinese suppliers at arms length prices. They were asked to substantiate their claim by providing evidence demonstrating that the raw material procurement prices are comparable with the international raw material prices. The responding exporter, however, failed to provide any evidence.
- 26. The request has been examined in the light of laid down Rules, the detailed examination as undertaken by the Authority in the previous findings and herein above. In the present investigations also, the situation remains the same, there is no new information requiring the Authority to change its stand from the original final findings. In view of the above, the Authority has decided not to grant market economy status to M/s Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd.

## Determination of Normal value in respect of Exporters / Producers from China

27. Since M/s Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd has not been granted market economy treatment, the normal value for China is required to be determined as per the procedure described in Para 7 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. Para 7 of Annexure I read as follows:

- "7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Account shall also be taken within time limits, where appropriate, of the investigation if any made in similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."
- 28. As per the above provisions normal value in China is required to be determined based on domestic selling prices in a market economy third country, or the constructed value in a market economy third country, or the export prices from such a third country to any other country, including India. However, if the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted to include reasonable profit margin.
- 29. In the absence of any reliable price and cost details for the subject goods in any market economy third country the Designated Authority has constructed the normal value in China on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin. Accordingly, the Normal Values for the subject goods exported by all exporters in China is determined as mentioned in the dumping margin table below.

# **Export Price**

## **Export price for the responding producers-exporters from China PR**

## M/s Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd.

30. M/s Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co.Ltd has reported details of the export transactions of the subject goods to India during the POI. The exports were claimed to be on CIF/FOB/CNF basis. Adjustments were accordingly made, wherever applicable, on account of freight and other charges like handling charges, credit cost, overseas insurance, bank charges to arrive at ex-factory export price. The Authority has determined net export price (NEP) in respect of the subject producer/exporter after making adjustments as submitted by the producer/exporter and as mentioned in table below.

#### **Export Price for Non-Co-operative Exporters/ Producers from China PR**

31. For the determination of the ex- factory export price for non- cooperative/ residual producers/exporters, the lowest export price transaction of the cooperative exporter, has been considered with the adjustments as considered for the cooperative exporters. The ex-factory export price and dumping margin for non- cooperative exporters is determined as mentioned in table below:

# **Determination of Dumping Margin**

32. After the analysis of the data, the dumping margin is worked out as mentioned in the table below.

Producer/Exporter	Normal	Export	Dumping	Dumping	Range
	Value	price	Margin	Margin	
	US\$/Kg	US\$/Kg	US\$/Kg	%	
M/s Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd.	***	***	***	***	(1-10)
All other producers	1.49	1.07	0.42	39	35-45

33. Magnitude of dumping, as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry, shows that the dumping margins determined against the subject country continues to be above de minimis and significant. However, for the co-operative exporter the dumping margin is negative.

# F. EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

#### **Submissions by the Domestic Industry**

- 34. Following are the submissions made by the domestic industry on likelihood of injury and causal link:
  - i. The factors relevant to likelihood of dumping are relevant to the likelihood of injury as well in the present case and the same are relied upon.
  - ii. Exports made into the domestic market have been made at dumped prices despite imposition of anti dumping duty.
  - iii. Producers from subject country have significant capacity with negligible domestic sales which establishes that in the event of revocation of duties, exports to India will intensify.
  - iv. Both dumping margin and injury margin in the current POI are positive and significant.
  - v. The price undercutting without prevailing anti-dumping duties is positive.
  - vi. The import prices are materially below selling price of the domestic industry. The consumers would therefore switch to imported product in the event of cessation of anti dumping duty which will lead to significant increase in imports of the product.
  - vii. The dumped imports from the subject country have continued to enter the Indian ports, though in low volume, in the proposed period of investigation.
  - viii. Subject imports are available at prices lower than domestic prices. Thus, if the anti dumping duty is revoked, the dumped imports volumes shall intensify.
  - ix. The imports are undercutting the domestic prices. Resultantly, the domestic industry will be faced with price depression in the market in the event of cessation of anti-dumping duties. This will result in decline in profits and consequently return on capital employed and cash profits.

- x. In case duty is revoked and consequently imports from the subject country increases, the Domestic Industry would be forced to reduce the prices of the product concerned significantly given the fact that the product concerned is a commodity product and landed price of imports are even below the level of cost of sales.
- xi. Should the Domestic Industry be forced to reduce the prices, its natural impact would be on the profitability of the Domestic Industry. Decline in profits would lead to decline in cash flow and return on investment.
- xii. Should the Domestic Industry choose to maintain its normal price levels, it is likely to lose its sales volume as consumers would increasingly switch over to the imports.
- xiii. Should the Domestic Industry prefer to lose sales volumes, it would spell much bigger injury. As decline in sales volume would result in increase in inventories level; decline in production, capacity utilization, and productivity.

## Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties

- 35. Following are the submissions made by other interested party on injury and causal link:
  - i. There is no injury to the domestic industry in the present case on the basis of the information submitted in the application.
  - ii. The DI is in formidable position where the imports from China have no effect on its performance. Their production has increased by 11 times or 1100% in the current investigation as compared to the original investigation. Similarly, the sales have also increased by 11 times or 1100%. The market share has also increased by 5.4 times or 540%.
  - iii. The other parameters such as capacity, capacity utilization, profitability, ROCE, cash flow, no. of employees, wages, inventories etc. all have also significantly improved in the current investigation as compared to previous investigation.
  - iv. Out of the 10 domestic producers, only two, having a share of about 47% in the total domestic production have provided injury information to the Authority. Other producers having a share of 53% have not provided any injury information on record and also there is no analysis or reasons as to why the other producers have not provided such information.
  - v. Out of the 10 domestic producers, only two have provided the injury information and the remaining 8 haven't which means that the financial performance of those 8 producers is much better than the 2 petitioners otherwise those 8 producers could also have provided the injury information. So it leads to the conclusion that there is no likelihood of injury to the so-called DI.
  - vi. Heytex is not dumping the subject goods and hence, there is no likelihood of dumping by the exporter.

vii. The anti dumping duty in the Sun Set Review is to be continued only if there is a likelihood of both dumping and injury and in case likelihood of dumping is not there or likelihood of injury is not there, the duty cannot be continued and should be withdrawn.

# **Examination by the Authority**

- 36. The injury analysis made by the Authority addresses various arguments put forth by various interested parties in their submissions.
- 37. Rule 11 of the AD Rules read with its Annexure–II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." While considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
- 38. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.
- 39. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties in force. Rule 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply, mutatis mutandis in case of a review as well. The Authority has, therefore, determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti-dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers whether the existing anti-dumping duties on the imports of subject goods from the subject countries are required to be considered while examining injury to the domestic industry. The Authority has examined whether the existing anti-dumping measure is sufficient to counteract the dumping which is causing injury.
- 40. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension
- 41. For the purpose of current injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

# **Assessment of Demand/Apparent Consumption**

42. The Authority has considered the transaction-wise import data procured from IBIS, as provided by the Domestic Industry, for the assessment of volume and value of imports from the subject country and other countries. The Authority has considered sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources to define the demand or apparent consumption of the product in India. The demand so assessed is shown in the following table:

SN	Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI (2014-15)
(i)	Sales of Domestic Industry	MT	32,319	36,091	36,958	33,638
(ii)	Sales of Supporters	MT	5,982	6,943	24,179	35,702
(iii)	Sales of Other Producers	MT	-	1	1,700	1,280
(iv)	Subject Country Imports	MT	16,617	6,537	4,576	4,228
(v)	Other Countries'Imports	MT	7,744	16,803	11,363	8,359
(vi)	Demand/Consumption	MT	67,446	73,249	84,459	85,847

43. It is noted that the apparent consumption of the subject goods has consistently increased throughout the injury period.

## **Volume Effects of Dumped Imports**

44. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the anti-dumping rules provides as under:

"While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India"

45. The volume of imports of the subject goods from the subject country have been analyzed as under:

SN	Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI				
(i)	Subject Country	MT	16,617	6,537	4,576	4,228				
(ii)	Subject country goods - transshipment	MT	4772	6875	5682	2639				
(iii)	Other Countries	MT	7,744	16,803	11,363	8,359				
(iv)	Total Imports	MT	29,133	30,215	21,621	15,226				
(v)	Share of Subject Country	%	57	22	21	28				
(vi)	Subject country goods - transshipment		16	22	26	17				
(vii)	Other Countries	%	27	56	53	55				
(viii)	Total Imports	%	100	100	100	100				
	Imports in relation to									
(i)	Total Production	%	76%	70%	34%	22%				
(ii)	Total Demand	%	43%	41%	26%	18%				

- 46. The Authority notes that imports from subject country have declined over the injury period. The low volume and consequent reduction in market share of imports from subject country during the POI is the effect of imposition of anti-dumping duty.
- 47. It is further noted that imports in relation to production and consumption have also declined over the injury period as a result of remedial effect of anti dumping duty in place. However, imports are still entering into the domestic market at dumped prices.

## **Price Effect**

48. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry "With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

49. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority has considered whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price suppression and price depression, if any.

# **Price undercutting**

50. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry.

	Price Undercutting Without ADD										
SN	Description	Units	2011-12	2012-13	2013-14	POI					
1	Landed price of imports	Rs./Kg	82.19	97.56	102.59	101.81					
2	Net Sales Realization	Rs./Kg	***	***	***	***					
	Indexed 100 112.58 115.67 110.5°										
3	Price Undercutting	Rs./Kg	***	***	***	***					
		Indexed	100	94	87.54	69.64					
4	Price Undercutting	%	***	***	***	***					
5	Price Undercutting Range	%	20-30	15-25	10-20	10-20					
	Price Undercutting With ADD										
1	Landed price of Imports	Rs./Kg	108.09	126.96	135.33	135.00					
2	Net Sales Realisation	Rs./Kg	***	***	***	***					

3	Price Undercutting	Rs./Kg	***	***	***	***
4	Price Undercutting	%	***	***	***	***
5	Price Undercutting Range	%	1-10	(1-10)	(1-10)	(5-15)

51. The Authority notes that price undercutting without ADD is positive. The domestic industry would be forced to materially reduce the prices in the event of cessation of anti-dumping duty. The subject imports are likely to severely undercut the prices of the domestic industry, which would cause serious injury to the Domestic Industry, in the event of cessation of duties.

# Price suppression/depression

52. The Authority further examined whether the effect of such imports was to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree. It is noted that the cost of sales and selling price of the domestic industry has increased over the injury period. However, landed price of imports is even below the level of cost of sales of the domestic industry. Thus, cessation of anti-dumping duties is likely to lead to surge in low priced imports causing significant price suppression and depression.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Cost of Sales	Rs/kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	107	113	109
Selling Price	Rs/kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	113	116	111

#### **Price underselling**

53. For the purpose of determining the price underselling comparison has been made between the landed price of imports and non-injurious price. The price underselling margins as under:

SN	Particulars	Rs/kg
1	Non Injurious Price	***
2	Landed Price	***
3	Injury Margin	***
4	Injury Margin-%	10-20

54. It is noted from the above table that the domestic industry has suffered significant price underselling during the investigation period on account of imports of the subject goods from the subject country.

# **Examination of Economic Parameters affecting Domestic Industry**

55. Annexure II to the Antidumping Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of

dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth and the ability to raise capital investments.

56. Various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below:

# Production, Capacity, Capacity utilization, Sales

57. The sales, capacity, production, and capacity utilization of the domestic industry has been as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Capacity	MT	67,608	69,075	72,010	72,010
Production	MT	30,989	36,563	37,290	34,014
Capacity Utilization	%	46%	53%	52%	47%
Sales – Domestic	MT	32,319	36,091	36,958	33,638

58. It is noted that the domestic industry has enhanced their capacity over the injury period in view of the growing demand in the country. Production, sales and capacity utilization have increased during the injury period up to 2013-14 but registered a marginal decline during POI.

## **Market share in Demand**

59. The effects of the dumped imports on the domestic sales and the market share of the domestic industry have been examined as below:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Sales of Domestic Industry	%	47.92	49.27	43.76	39.18
Sales of Supporters	%	8.87	9.48	28.63	41.59
Sales of Other Producers	%	-	1	2.01	1.49
Subject Country Imports	%	24.64	8.92	5.42	4.92
Subject Country Goods Transshipped	%	7.08	9.39	6.73	3.07
Other Countries	%	11.48	22.94	13.45	9.74
Total Share	%	100.00	100.00	100.00	100.00

60. It is noted that the market share of domestic industry and its supporters has increased whereas market share of the subject country has declined over the injury period which is a positive effect of anti dumping duty in force. One of the Petitioner during this SSR investigation was the only Domestic Industry during the original investigation. The imposition of anti duping duty has led to favourable market condition resulting in setting of various other units for the PUC. This is reflected in the increase in number of units who are supporting the petition for continuation of ADD.

#### Profits, return on investment and cash flow

61. The cost of sales, selling price and profit/loss of the domestic industry has been analyzed as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Profit/Loss	Rs/kg	***	***	***	***
Profit/Loss	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	281.25	185	161
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***

PBIT	Rs. Lacs	***	***	***	***
ROI NFA	%	***	***	***	***

62. It is noted from the table above that profitability of the domestic industry improved over the injury period. Cash profits, profits before interest and return on capital employed have also increased over the injury period as compared to base year but with some decline as compared to the year 2012-13.

#### **Inventories**

63. The data relating to inventory of the subject goods are shown in the following table:

<b>Particulars</b>	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	57	94	89

64. The Authority notes that inventories with the Domestic Industry have generally declined over the injury period as compared to base year.

## **Employment and wages**

65. The position of the domestic industry with regard to employment and wages is as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Employment	No	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	113	110	147
Wages	Rs lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	148	156	276
Productivity per day	MT	***	***	***	***

66. The Authority notes that employment and wages paid have increased over the injury period in view of the capacity enhancement and labor laws prevailing in the country. Productivity per day has increased over the injury period following the movement of production of the domestic industry.

# Ability to raise capital investments

67. The Authority notes that the profitability of the domestic industry has improved during the injury period therefore the domestic industry is in a position to raise capital and investment.

#### **Magnitude of Dumping**

68. Magnitude of dumping, as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry, shows that the dumping margins determined against the subject country continues to be above de minimis and significant.

# G. Conclusion on injury to the domestic industry

69. It is noted that growth of the domestic industry during the POI as compared to the base year in terms of all economic parameters like production, capacity utilization, domestic sales, market share, profits, cash profits and return on capital employed has been positive. There is thus no adverse effect on the volume as well as price parameters of the domestic industry during the POI on account of dumped imports.

# H. Likelihood of Continuation or Recurrence of Dumping and Injury

70. The Authority observed that this is a sunset review investigation and the focus of this investigation is to examine the likely scenario of injury in case of removal of the duties, even if there is no current dumping or injury. It is an admitted fact that the imports from the subject country have declined but are still substantial and at dumped and injurious prices.

# **Submissions of the domestic industry**

- 71. Submissions made by the domestic industry on likelihood or recurrence of dumping and injury are as follows:
  - a. Exports made into the domestic market have been made at dumped prices despite imposition of anti dumping duty except from the co-operative exporter.
  - b. Even though the volume of imports have declined, the imports made are still at dumped prices. Thus, it may be concluded that dumping has continued.
  - c. The domestic industry performance shows improvement, however, this improvement in performance is because of anti-dumping duties being in force against subject goods.
  - d. Producers from subject country have significant capacity with negligible domestic sales which establishes that in the event of revocation of duties, exports to India will intensify.
  - e. Major raw materials of the subject goods are PVC Suspension Resin and Fully Drawn Yarn. In separate other investigations, the Authority has extended the anti-dumping duties on these raw material products. Since there is surplus capacity available for raw material as well as subject goods, there is a likelihood of increase in export of finished subject goods in the event of revocation of anti-dumping duty.
  - f. Both dumping margin and injury margin in the current POI are positive and significant, except for the co-operative exporter.
  - g. The imports that enter into the domestic market are entering at price below the level of selling price and cost of sales. Imports are occurring at dumped and injurious price.
  - h. Even in the event of low volumes of imports reported during the POI of a sunset review investigation, anti-dumping duty can be continued. There are a number of instances where authorities have continued the duty despite low volume.
  - i. The price undercutting without prevailing anti dumping duties is positive.

- j. The import prices are materially below selling price of the domestic industry. The consumers would therefore switch to imported product in the event of cessation of anti-dumping duty which will lead to significant increase in imports of the product.
- k. As per the independent research done by the petitioners from information available in public, the producers in China have large production capacities with an intense focus on exports for the subject goods. In the event of revocation of existing anti-dumping duties, there is a strong likelihood of dumping of the product in India. Relevant information showing the production capacities with producers from subject country is shown in table below.

Name of Company	Production Capacity (MT)	Exports
Zhejiang Chengbang New Materials Co., Ltd	4,986,000	91-100%
Zhejiang Ganglong New Material Co., Ltd	415,500	91-100%
Zhejiang Yuli Plastic Co. Ltd, China	19,948,321	71-80%
Jiangyin Nanwei Plastic Co., Ltd	33,240,000	Not known
Zhenjiang Tianchang Plastic Fabric Co. Ltd	26,592,000	Not known
Zhejiang Hailide New Material Co. Ltd	33,243,324	81-90%
Cixi Linyun Plastics Wart Co. Ltd	9,972,000	Not known
Shanghai NAR Industrial Co., Ltd	Not known	61-70%
Total	128,397,145	

# Views of the Importers, Consumers, Exporters and Other Interested Parties

- 72. Submissions made by the interested parties on likelihood or recurrence of dumping and injury are as follows:
  - a. The domestic industry has provided incorrect figures of the available capacity for the subject goods in China. Also, it is the excess available capacity which ought to be seen for the likelihood analysis but not the available capacities in China as it will lead to misleading conclusions.
  - b. Heytex is not dumping the subject goods and hence, there is no likelihood of dumping by the exporter.
  - c. The anti dumping duty in the Sun Set Review is to be continued only if there is a likelihood of both dumping and injury and in case likelihood of dumping is not there or likelihood of injury is not there, the duty cannot be continued and should be withdrawn.
  - d. Out of the 10 domestic producers, only two have provided the injury information and the remaining 8 haven't which means that the financial performance of those 8 producers is much better than the 2 petitioners otherwise those 8 producers could also have provided the injury information. So it leads to the conclusion that there is no likelihood of injury to the so-called domestic industry.

#### **Examination by the Authority**

73. The Authority has examined the contention of the domestic industry and other interested parties to examine likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury. The following

analysis shows if there is likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event of revocation of antidumping duties:

# i. <u>Dumping Margin determined in previous investigations</u>

74. The Authority notes that the Dumping Margin determined in previous investigations and present investigation are positive which indicates likelihood of continuation of dumping and consequent injury in the event of cessation of antidumping duty. As for the responding exporter, the dumping margin is negative but there are other factors indicating likelihood of dumping and injury.

# ii. Decline in imports post imposition of duty

75. The Authority notes that imports from the subject country have declined with the imposition of antidumping duty. However, the imports are made at dumped and injurious price. Decline in imports post imposition of duty and positive dumping and injury margin in such imports implies likelihood of dumping in the event of withdrawal of duty.

## iii. Positive dumping margin and injury margin despite antidumping duty

76. The Authority notes that even though subject imports have declined over the injury period, the dumping margin and injury margin continues to remain positive. Thus, producers from subject country are likely to intensify dumping and cause injury to the domestic industry in the event of cessation of antidumping duty.

#### iv. Excess production capacity of the producers

- 77. It is seen that the capacity with the subject country is significantly high and is much more than the entire domestic demand in India.
- 78. The excess capacity of the responding exporter namely M/s Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd. was analyzed. Questionnaire response filed by Heytex Technical shows that the company has huge installed capacity and is utilising its capacities only to the extent of 42%. They have intense focus on exports with almost 97% of the current production being exported to India and third countries.

Particulars	Quantity (MT)
Capacity	***
Production	***
Capacity Utilization	42%
Domestic Sales	***
Export to India	***
Export to third countries	***
Exports w.r.t. production	97%

79. The responding exporter has not provided mandatory information of invoice by invoice details of exports to third countries; however, analysis of the available information shows that the dumping and injury margin on month by month basis in respect of third countries is quite substantial. There is a likelihood of diversion of the available production and unutilized capacities

to India in case of cessation of Anti dumping duties as Indian market will become more interesting for these exports.

# v. Export orientation of exporters

80. It is seen that subject country has surplus capacities available with them and are highly export oriented. Cessation of antidumping duty is likely to lead to diversion of the excess capacities to India.

# vi. Price undercutting in the absence of measures

81. The Authority examined the effect of cessation of antidumping duty in terms of price undercutting effect on the prices of the domestic industry in the market and its consequent impact on the domestic industry. It is seen that the price undercutting without anti-dumping duty is positive in the POI. Thus, the Authority notes that it is likely that if anti-dumping duties cease to exist then the imports would intensify the price undercutting effect resultantly causing material injury to the Domestic Industry.

# vii. Vulnerability of the domestic industry

- 82. Petitioners have submitted that the Indian market is highly price sensitive. The consumers decide their procurement, with the price being the foremost consideration. Vulnerability of the domestic industry relates to whether the industry would be susceptible to material injury in the event of cessation of antidumping duty imposed. The Authority has therefore considered whether the performance of the domestic industry will deteriorate upon cessation of antidumping duty.
- 83. It is noted that in the event of cessation of current antidumping duty on imports from subject country, the domestic industry will have to either reduce the selling price or the domestic industry would lose sales volumes. If the Domestic Industry is constrained to sell at import prices, the profitability will decline. The return on investment and cash profit would also deteriorate causing significant adverse effect on the prices in the market. Further, if the Domestic Industry chooses to maintain its price at the same level, the import volume will increase, given significant price difference between the domestic and import prices. This is likely to cause significant deterioration in sales, production and capacity utilization of the domestic industry.
- 84. The present request for extension of duty is based on information of those domestic producers who constitute domestic industry. The Authority also notes that the rules clearly provide that the Authority shall examine injury to the domestic industry by considering performance of the domestic industry defined for the purpose under the rules. Once the authority has defined domestic industry, the Authority is required to consider performance of this domestic industry alone for the purpose of examination of continuation or likelihood of injury to the domestic industry. The Authority is not required to examine performance of non-complainant domestic producers in order to examine whether cessation of anti dumping duty is likely to lead to injury to the domestic industry. It is, thus, concluded that the performance of domestic producers not forming part of domestic industry is not relevant for the present purpose.

# I. Conclusion on likelihood of dumping and injury

85. Consideration of factors such decline in imports as a result of antidumping duty, positive dumping margin, price undercutting & injury margin in the present and original investigations, significant production capacities in China, high export orientation of the Chinese producers, collectively and cumulatively show that the dumping and consequent injury to the domestic industry is likely to recur in the event of cessation of antidumping duty. The quantity of dumped imports from the subject country has reduced, because of the Anti-dumping duty in force. Decline in dumped imports has led the domestic industry to improve their performance. However, in the case of cessation of duty there is every possibility of likelihood that the dumped imports will again increase and injure the domestic industry. The exports by the co-operative exporter though not at dumped price but are still causing injury to domestic industry, moreover huge unutilized capacities and intense export orientation indicate that in the event of removal of anti-dumping duty may lead to enhanced imports at dumped and injurious prices.

# J. Causal Link - Non Attribution Analysis

- 86. Under Section 9A (5) of the Act, the Authority is required to examine the likelihood of dumping and injury and the need for continuation of duties. Accordingly, the Authority has concluded that the dumped imports are likely to intensify and cause injury if antidumping duty were to be revoked. Notwithstanding, the Authority has examined whether other listed known factors could have caused or are likely to cause injury to the domestic industry.
  - (a) Volume and value of imports not sold at dumped prices: The Authority notes that imports from other countries are either de minimis or at higher prices thus, third country imports could not have been a cause of injury to the domestic industry.
  - (b) Contraction in demand: The Authority notes that the demand of the product under consideration has shown a positive growth throughout the injury period. Hence, contraction in demand is not a possible reason, which could have contributed to injury to the domestic industry.
  - (c) Changes in the patterns of consumption: The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change. Change in the pattern of consumption is unlikely to contribute to the injury to the domestic industry.
  - (d) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers: There is no trade restrictive practice which can contribute to the injury to the domestic industry.
  - (e) Developments in technology: It is noted that the technology for production of the product has neither undergone any material change. Developments in technology, therefore, do not appear to be a possible factor of injury.
  - (f) Performance of other products produced and sold by the domestic industry: The domestic industry comprises multi-product companies. However, injury analysis has been made with respect to the product under consideration only.
  - (g) Productivity: The Authority notes that the productivity of the domestic industry, as measured in terms of productivity per day, has increased over the injury period and has followed the same trend as production. Thus, it is seen that the decline in productivity is not the cause of the injury to the domestic industry.

(h) The performance of domestic producers not forming part of domestic industry is not relevant for the present purpose, though to lend strength to the case several other domestic producers have supported the petition.

# K. Magnitude of Injury and Injury margin:

87. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed price of the exports of the cooperative exporter for determination of injury margin during the POI. In order to arrive at the landed value for residual/non- cooperative producers/exporters, 1% handling charge, applicable customs duty have been added to the lowest export price (CIF) from the cooperative producers/ exporter. Thus compared, the injury margin is worked out as under:

Sl.No.	Particulars	China M/s Heytex technical textiles (Zh Co. Ltd	Other Producers/ Exporters		
		INR/Kg	US\$/Kg	INR/Kg	US\$/Kg
	Non Injurious	***	***	***	***
1	Price				
2	Landed Price	***	***	***	***
3	Injury Margin	***	***	***	***
	Injury Margin-	***	***	***	***
4	%				
5	Injury Margin- %	1-10	1-10	30-40	30-40

#### L. POST DISCLOSURE COMMENTS

## **Submissions by the domestic industry**

- 88. The submissions made by DI have been summarized as below:
- i. The scope of the product under consideration remains the same as considered in the original investigation. Product under consideration produced by the petitioners is like article to the goods imported from the subject countries
- ii. M/s. Pioneer Polyleathers Ltd and M/s SRF Ltd. have jointly filed the petition. The petitioners have not imported subject goods and are neither related to any exporter in the subject country or to an importer of subject goods in India. Production by the petitioners constitute a major proportion of Indian production
- iii. Performance of the domestic industry has improved in terms of various economic parameters. Volume of imports has declined but imports are undercutting the domestic price and the dumping margin and injury margin are positive. Therefore, effect of cessation of anti-dumping duty shall have significant depressing effect on the prices of the domestic industry in the market.
- iv. The Authority has rightly rejected the Market economy treatment claimed by the responding exporter. Further, the responding exporter is situated in Zhangjiagang Economic & Development Zone in Jiangsu Province which is an SEZ area in China and it receives various export subsidies. The subsidies granted would directly result in low cost of the subject goods and thus the price of the subject goods will not represent the market price.

- v. M/s Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd should not even be considered as a manufacturer. The exporter only does lamination of film and fabric, which is a very nominal process which does not involve any major equipment or expertise. They buy the film and fabric from other Chinese factories and just do lamination of the same.
- vi. Cessation of anti dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury as subject country has surplus capacities available with them and are highly export oriented, even though subject imports have declined over the injury period, the dumping margin and injury margin continues to remain positive, decline in imports post imposition of duty, however with positive dumping margin, surplus capacity available for raw material of the subject goods suggesting existence of surplus capacity for the finished product of these raw material, Price undercutting without anti-dumping duty is very high, landed price of imports are even below the level of cost of sales of the domestic industry.
- vii. This is not a fit case for modification of duty for the reasons that imports have declined with the imposition of duties. Even though dumping has continued, the dumped volumes do not represent the actual potential of dumping by the Chinese producers. Modifying the quantum of antidumping duty to the current level of dumping/injury would not provide the intended benefit of imposition of duty.
- viii. The anti dumping duty may be imposed in terms of fixed amounts, expressed in US\$.

## **Submissions made by interested parties**

- 89. The submissions made by the Exporter have been summarized as below:
- i. The export price may be corrected as per the revised calculations already submitted to the Authority. Accordingly, the dumping margin for the exporter is negative.
- ii. They have requested to consider the DGCI&S import data for the final findings in the current sunset review investigation.
- iii. They have submitted that there is no examination in the disclosure statement with regard to significant changes in the composition of the domestic industry in the current sunset review investigation as compared to the original investigation.
- iv. The domestic industry is under legal obligation to forward and supply a copy of all the evidence including the import data in soft copy in excel file / hard copy of the original / raw import data obtained by the domestic industry from IBIS and also the sorted import data, it is submitted that a copy of the same has not been provided to us.
- v. With regard to the grant of market economy treatment, it is submitted that the exporter company has procured the raw materials from the local market at international prices and therefore, its claim for market economy treatment is to be accepted and it may please be granted market economy treatment in the current investigation. Without prejudice, with regard to the determination of normal value for Chinese exporter, it is submitted that since the procedure mandated under Para 7 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules has not been followed in the current investigation, the whole investigation has become without jurisdiction. Therefore, the

- mandatory procedure as prescribed under Para 7 of Annexure I may be followed before proceeding further in the matter.
- vi. The injury analysis for imports under the heading 'Subject country goods-transshipment' have been included, however, there is no analysis or conclusion with regard to such imports.
- vii. It may be seen from the legal provisions contained in Section 9A(5) and Rule 23(1B) that the anti-dumping duty in the sunset review investigation is to be continued only in cases where there is a likelihood of both dumping and injury and in case likelihood of dumping is not present or likelihood of injury is not present, the anti-dumping duty in a sunset review investigation cannot be continued and is required to be withdrawn. In the current sunset review investigation there is no likelihood of both dumping and injury due to the exports by Heytex, therefore the duties are required to be discontinued in the present investigation for the exporter.
- viii. It is submitted that there is also no likelihood of injury to the domestic industry from the exports by Heytex as there is negligible injury margin. Moreover, when the performance of the domestic industry has admittedly improved all around in spite of the fact that there is alleged dumping, significant price undercutting and price underselling by other exporters from China, there is no reason to believe that the non-dumped exports from Heytex with negligible injury margin will have any bearing on the state of the domestic industry. Thus, there is also no likelihood of injury to the domestic industry due to exports from Heytex.
  - ix. It is submitted that the domestic industry has made no case of likelihood of injury or dumping due to exports by Heytex as the domestic industry has not made out their case for the excess capacity in respect of Heytex and as well as its export orientation. Further, it may also be seen that the capacity of Heytex is miniscule as compared to other Chinese producers or the Indian domestic producers to have any effect on the performance of the domestic industry. It clearly indicates that the domestic industry is not likely to suffer from the exports by Heytex.

## **Examination by the authority**

- 90. The issues raised by the exporter and DI have already been addressed in preceding paragraphs. However, for the sake of clarity some of the issues are being addressed here in below in brief:
  - i. The information pertaining to the case has been made available to all the interested parties in the public file maintained for this purpose.
  - ii. The Authority decided to rely on IBIS data because DGCIS data showed lower quantities as the subject goods are getting imported under various HS codes.
  - iii. The exporter was given sufficient opportunity to give evidence to prove that all the raw materials are being procured under open market conditions at arms' length prices against their claim of grant of MET status. As they have failed to provide the evidence, The Authority decided not to grant MET status to the M/s Heytex.
  - iv. The present request for extension of duty is based on information of those domestic producers who constitutes domestic industry defined for the purpose under the rules. The Authority is not required to examine performance of non-complainant domestic producers in order to examine whether cessation of anti-dumping duty is likely to lead

- to injury to the domestic industry. It is, thus, concluded that the performance of domestic producers not forming part of domestic industry is not relevant for the present purpose.
- v. The other points raised by interested parties have already been dealt with in detail in the preceding paragraphs including the fact of excess unutilized capacities with the responding exporter and likelihood scenario.

#### M. CONCLUSION

- 91. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:
  - a. The subject goods have been exported to India from the subject country below its normal value;
  - b. The domestic industry has suffered material injury;
  - c. There is a likelihood of recurrence of injury in case of cessation of Anti dumping duties.
  - d. Under the circumstances, the Designated Authority considers it appropriate to recommend existing quantum of anti-dumping duties.

#### N. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST AND OTHER ISSUES

- 92. The Authority recognizes that imposition of antidumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in Indian market will not be reduced by the antidumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or more sources of supply.
- 93. The Authority notes that the purpose of antidumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

# O. CONCLUSION AND RECOMMENDATION

- 94. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority and on the basis of above analysis including analysis of likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury and post Disclosure Statement submissions made by the interested parties, the Authority concludes that:
  - i. The subject goods from the subject country continue to enter the Indian market at dumped prices. Dumping margin and injury margin are positive and significant.

- ii. The performance of the domestic industry has improved in various parameters and imposition of anti dumping duty has prevented dumping causing injury to the domestic industry.
- iii. Price undercutting is likely to be significantly positive in the event of cessation of anti dumping duty.
- iv. The fact that subject country has significant surplus capacities, exporters from subject country are highly export oriented, and exports made are at a price which is showing significantly positive dumping margin and injury margin, the Authority determines that in the event of withdrawal of the anti-dumping duties, there is likelihood of dumping and injury to the domestic industry.
- v. Under the circumstances, the Designated Authority considers it appropriate to recommend existing quantum of anti dumping duties. The Authority, thus, in order to remove likely injury to the domestic industry, considers it necessary to recommend continuation of definitive anti dumping duty on all imports of the subject goods from the subject country as per column 8 n duty table below:

## **Duty Table**

Sl. No.	HS Code*	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty in USD	Unit
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	3918; 3919; 3920; 3921; 3926	PVC Flex Films	China PR	China PR	Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd.	Heytex Technical Textiles (Zhangjiagang) Co. Ltd.	0.034	Kg.
2	Do-	-Do	China PR	China PR	Any Combination of producer and exporter other than Sl. No. 1		0.538	Kg.
3	- Do -	- Do -	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	0.538	Kg.
4	- Do -	- Do -	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	0.538	Kg.

<sup>\*</sup> The indicative HS codes for the subject goods are

39019090	39201099	39205192	39209490	39211310	39219039
39042290	39202020	39205919	39209919	39211390	39219099
39181090	39202090	39206290	39209929	39211900	39261019
39191000	39203090	39206929	39209932	39219010	39262029
39199090	39204300	39206999	39209939	39219026	39264039
39201012	39204900	39209119	39209999	39219029	39269099
39201019	39205191	39209299	39211200	39219036	

- 95. The following products are excluded from the scope of the anti-dumping measures as recommended in the duty table given above:
  - PVC Rigid Films
  - Cotton/Canvas Tarpaulins
  - PVC Film
  - Self-Adhesive Vinyl
  - One Way Vision Film/Perforated Window Film
  - Coloured Vinyl
  - Mesh Banner/Fabric
- 96. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.
- 97. An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.
  - A. K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority